दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 248 | ग्वालियर,बुधवार, 28 जून 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

वंदे भारत से सफर तेज, आधुनिक और सुविधायुक्त होगा : पीएम मोदी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर पांच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को रवाना किया। इन पांच ट्रेनों में से दो मध्य प्रदेश के लिए हैं तो तीन अन्य स्थानों के लिए।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि वंदे भारत से सफर तेज, आधुनिक और सुविधायुक्त होगा। राजधानी में प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के बाद मेरा बूथ, सबसे मजबूत कार्यक्रम में रेल सुविधाएं दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा, देश के छह राज्यों को जो?ने वाली पांच वंदे भारत ट्रेनों को एक साथ हरी झंडी दिखाने का अवसर मिला है। मैं मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र की जनता को इस आधुनिक वंदे भारत ट्रेन की

कनेक्टिविटी के लिए बधाई देता हूं।उन्होंने कहा कि इसमें मैं एमपी को विशेष बधाई दूंगा क्योंकि एक साथ दो ट्रेन मेरे भाई-बहनों को मिली है। अब भोपाल से इंदौर और भोपाल से जबलपुर का सफर तेज, आधुनिक और सुविधायुक्त होगा।वंदे भारत एक्सप्रेस से स्कूली बच्चों ने भी इटारसी तक की यात्रा की। इन बच्चों से भी प्रधानमंत्री मोदी ने संवाद किया। बच्चों ने जहां प्रधानमंत्री को बनाए गए चित्र दिखाए तो प्रधानमंत्री ने बच्चों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से जिन वंदे भारत ट्रेनों को झंडी दिखाई है, उनमें से दो ट्रेन भोपाल (रानी कमलापति)- इंदौर , भोपाल (रानी कमलापति)-जबलपुर के बीच चलेंगी। वहीं, तीन गाड़ियों के लिए वर्चुअली हरी झंडी दिखाई गई। ये गा?ियां हैं- रांची-पटना, धारवाड़-बेंगलुरु और गोवा (मडगांव)-मुंबई। भोपाल (रानी कमलापति)- इंदौर, वंदे भारत एक्सप्रेस मध्य प्रदेश के दो महत्वपूर्ण शहरों के बीच सरल और त्वरित यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी तथा क्षेत्र में सांस्कृतिक, पर्यटन एवं धार्मिक स्थानों की कनेक्टिविटी में सुधार लाएगी। भोपाल (रानी कमलापति)-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस महाकौशल क्षेत्र (जबलपुर) को मध्यप्रदेश के मध्य क्षेत्र (भोपाल) से जोडेगी। इसके अतिरिक्त, बेहतर कनेक्टिविटी से क्षेत्र के पर्यटन स्थलों को भी लाभ होगा।

बीएसएफ को निष्पक्षता से काम करना चाहिए, कल मोदी शासन समाप्त हो सकता हैः ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से निष्पक्षता से काम करने का आह्वान किया, क्योंकि आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा केंद्र सरकार का शासन

समाप्त हो सकता है।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनावों के लिए जलपाईगुड़ी में एक अभियान रैली को संबोधित करते हुए कहा, मैं यह नहीं कह रही कि बीएसएफ में हर कोई बुरा है। लेकिन मैं आपसे स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम करने का अनुरोध करती हूं। आज मोदी हैं। हो सकता है कि वह कल वहां न हो।लेकिन आप देश की रक्षा के लिए वहां मौजूद रहेंगे।इसलिए लोगों पर अत्याचार करना अनुचित है। बल्कि आप लोगों के साथ मिलकर काम करें। सीएम ममता ने आगे कहा कि राज्य में भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती जिलों में बीएसएफ की गोलीबारी में मारे गए लोगों को राज्य सरकार द्वारा मुआवजा दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि हम पीड़ितों के परिवार के एक सदस्य को 2,00,000 रुपये के एकमुश्त मुआवजे के अलावा होम-गार्ड की नौकरी की ऑफर करेंगे।पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री बीएसएफ के खिलाफ हमलावर मूड में हैं। सोमवार को कूचबिहार जिले में इसी तरह की एक अभियान रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बीएसएफ जवानों पर सीमावर्ती गांवों में मतदाताओं को डराने-धमकाने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि राज्य पुलिस अब से सीमावर्ती गांवों में गोलीबारी के मामले में संबंधित कर्मियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करेगी।

पीएम मोदी के यूएस दौरे पर चीन को लगी मिर्ची, बोला- अमेरिका से रहे सतर्क

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी हाल ही में अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर थे. अमेरिका ने दिल खोलकर पीएम का स्वागत किया. उनका यह दौरा ऐतिहासिक माना जा रहा है. दरअसल पीएम मोदी भारत के पहले और विश्व के तीसरे प्रधानमंत्री हैं जो दो बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित कर चुके हैं. इस मामले में भारत को चीन ने नसीहत दे डाली है. प?ोसी देश चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने अमेरिका से दोस्ती को भारत को चेताया है. ग्लोबल टाइम्स में प्रकाशित लेख में भारत को अमेरिका से सतर्क रहने को कहा गया है. इस लेख के जरिए कहा गया है कि अमेरिका लंबे वक्त से चीन से निपटने को लेकर भारत का सहारा लेता रहा है, मगर भारत को अमेरिका से पूरी तरह से सावधान रहना चाहिए.इस लेख के जरिए कहने की कोशिश की गई है कि अमेरिका की आदत है कि वह

जियोपॉलिटिक्स को सत्ता और ताकत की नजरों से देखता है. वह द्विपक्षीय संबंधों को मात्र लेनदेन की कसौटी पर रखता है. अमेरिका सिर्फ ऐसे देशों से रिश्ते रखता, जिससे उसे लाभ हो सके. अमेरिका इसके बाद इन लाभों को आधार बनाकर उन देशों को वरीयता सूची में रखता है. इस लेख में अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर को आधार बनाकर लिखा गया है कि उन्होंने एक बार कहा था कि अमेरिका का कोई स्थाई दोस्त नहीं है. इस दौरे के दौरान एलन मस्क और रे डैलियो से लेकर अमेरिका की थिंकटैंक लॉबी भी पीएम से मिलने पहुंची. ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, अमेरिका से दोस्ती बढ़ाते समय भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है. ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका इतिहास रहा है कि वह पीठ में छुरा घोंपने का काम करता रहा है. अमेरिका अपने मित्र देशों को धोखा देता आया है. यह कौन दावा कर सकता है

पाकिस्तान ने भारत-अमेरिका संयुक्त बयान को अनुचित, एकतरफा बताया

इस्लामाबाद। इस सप्ताह की शुरुआत में भारत और अमेरिका द्वारा जारी एक संयुक्त बयान पर आक्रामक प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान ने इसे अनुचित, एकतरफा और भ्रामक करार दिया है और राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन से तथ्यों की जांच करने का भी आह्वान किया है।इस्लामाबाद में विदेश कार्यालय (एफओ) ने कहा कि संयुक्त बयान में किया गया पाकिस्तान-विशिष्ट संदर्भ राजनयिक मानदंडों के विपरीत था और इसमें राजनीतिक निहितार्थ थे।एफओ की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने एक बयान में कहा, हम 22 जून को जारी संयुक्त बयान में पाकिस्तान-विशिष्ट संदर्भ को अनुचित, एकतरफा और भ्रामक मानते हैं। यह संदर्भ राजनयिक मानदंडों के विपरीत है और इसमें राजनीतिक निहितार्थ हैं। हमें आश्चर्य है कि पाकिस्तान के अमेरिका के साथ आतंकवाद विरोधी सहयोग में करीबी होने के बावजूद इसे जोड़ा गया है।उन्होंने बाइडेन प्रशासन को आतंकवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई में दिए गए बलिदानों के बारे में भी याद दिलाया और कैसे उसे अपने प्रयासों के लिए वैश्विक और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली।प्रवक्ता ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान के प्रयासों और बलिदानों को बार-बार मान्यता दी है। यह लंबे समय से निष्कर्ष निकाला है कि आतंकवाद को ठोस और मिलकर की गई कार्रवाई के माध्यम से हराया जा सकता है। आज, हम यह समझने में विफल हैं कि संयुक्त बयान में किए गए दावे कैसे आतंकवाद से लड़ने के अंतर्राष्ट्रीय संकल्प को मजबूती प्रदान कर सकते हैं।बयान से पता चलता है कि सहयोग की भावना, जो आतंकवाद के संकट को हराने के लिए बेहद जरूरी थी, को भू-राजनीतिक विचारों की वेदी पर बलिदान कर दिया गया है।पाकिस्तान ने भारत को आतंकवाद का प्रायोजक बताते हुए कहा, आतंकवाद का एक प्रायोजक होने के अलावा भारत कश्मीरी लोगों के क्रूर दमन और अपने अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यवहार से ध्यान हटाने के लिए आदतन आतंकवाद का सहारा लेता है। इस प्रकार पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ उसकी लड़ाई पर किसी भी तरह का आरोप लगाना पूरी तरह से गलत है है।पाकिस्तान ने अमेरिका द्वारा भारत को उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर भी गंभीर आपत्ति जताई और ऐसे कदमों को क्षेत्र में सैन्य असंतुलन को बढ़ावा देने और रणनीतिक स्थिरता को कमजोर करने वाला बताया।रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी संयुक्त बयान की आलोचना करते हुए राष्ट्रपति बाइडेन से पाकिस्तान पर कोई भी रुख जारी करने से पहले तथ्यों को ध्यान में रखने का आह्वान किया।उन्होंने कहा, क्षेत्र में असफल अमेरिकी हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान ने अनगिनत लोगों की जान गंवाई है और दशकों से लगातार आतंकवाद से युद्ध कर रहा है.. अमेरिका-भारत का संयुक्त बयान देश के लिए अपमानजनक था।

हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान ममता बनर्जी को कमर और पैर में आई चोट

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हेलिकॉप्टर को मंगलवार (27 जून) को खराब मौसम के कारण सिलीगुड़ी के पास सेवोक एयरबेस पर आपात स्थिति में उतारा गया. इस दौरान टीएमसी चीफ ममता बनर्जी के पैर और कमर में चोट लग गई.न्यूज एजेंसी पीटीआई ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि सीएम बनर्जी को एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया, जहां

डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि उन्हें चलने में परेशानी हो रही है. उन्होंने व्हील चेयर लेने से मना कर दिया.ममता बनर्जी पंचायत चुनाव को देखते हुए जलपाईगुड़ी में चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद बागडोगरा हवाई अड्डे जा रही थीं. तभी उनका हेलिकॉप्टर बैकुंठपुर के जंगलों के ऊपर उड़ान भरते समय खराब मौसम वाले क्षेत्र में पहुंच गया. इसके बाद हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई.

बंगाल, गुजरात और गोवा की 10 राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को होंगे राज्यसभा चुनाव

राज्यसभा की 10 सीटों के लिए 24 जुलाई को चुनाव होना तय हो गया है. इनमें पश्चिम बंगाल की 6, गुजरात की 3 और गोवा की 1 सीट शामिल है. पश्चिम बंगाल में डोला सेन, डेरेक ओब्रायन, प्रदीप भट्टाचार्य, सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर रे और शांता छेत्री का कार्यकाल 18 अगस्त को खत्म हो जाएगा. इसके अलावा गुजरात में विदेश मंत्री एस जयशंकर, दिनेश जेमलभाई अनावडीया और लोखंडवाला जुगल सिंह माथुरजी का कार्यकाल भी 18 अगस्त को समाप्त हो रहा है. गोवा में विनय तेंदुलकर का कार्यकाल 28 जुलाई को खत्म होने जा रहा है. चुनाव के लिए अधिसूचना 6 जुलाई को जारी की जाएगी. नामांकन की अंतिम तिथि 13 जुलाई होगी और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 17 जुलाई होगी. मतदान और मतगणना 24 जुलाई को होगी.

एयर इंडिया की फ्लाइट में पैसेंजर ने किया पेशाब, दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ गिरफ्तार

फ्लाइट में पेशाब करने का एक और मामला सामने आया है, अब एयर इंडिया के एक विमान में यात्री ने फर्श पर पेशाब कर दिया. मुंबई से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में ये घटना हुई, जिसके बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया. फ्लाइट कैप्टन की तरफ से आईजीआई

एयरपोर्ट पर मौजूद पुलिस स्टेशन पर इस बात की शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी शख्स को वहीं से गिरफ्तार कर लिया. आरोपी का नाम राम सिंह बताया गया है. जानकारी के मुताबिक ये घटना 24 जून को एयर इंडिया की एआईसी 866 उड़ान में हुई थी. पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, राम सिंह नामक यात्री ने विमान के फर्श पर शौच और पेशाब किया और इसके बाद थूक भी दिया. पुलिस सूत्रों ने बताया कि चालक दल के सदस्यों ने इस दौरान यात्री को मौखिक चेतावनी दी

अतीक की बहन ने की हत्याकांड की जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने की मांग

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में पुलिस हिरासत में मारे गए गैंगस्टर से राजनेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की बहन आयशा नूरी ने सुप्रीम कोर्ट से हत्याकांड की जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक आयोग से कराने की मांग की है।मारे गए गैंगस्टरों की मेरठ निवासी बहन नूरी ने याचिका में कहा कि प्रतिवादी-पुलिस अधिकारी यूपी सरकार के समर्थन का आनंद ले रहे हैं, इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें प्रतिशोध वश याचिकाकर्ता के सदस्यों को मारने, अपमानित करने, गिरफ्तार करने और परेशान करने की पूरी छूट मिल गई है।नूरी ने यूपी सरकार द्वारा मुठभेड़ में हत्याओं, गिरफ्तारियों और उसके परिवार के उत्पीड़न के अभियानों की जांच के आदेश देने की मांग की।याचिका में कहा गया है,÷याचिकाकर्ता के पास राज्य को इन घटनाओं की प्रभावी ढंग से जांच करने के लिए मजबूर करने का अधिकार है, क्योंकि अनुच्छेद 21 के तहत उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन हो रहा है। याचिकाकर्ता के परिवार के सदस्यों को चुप कराने के लिए, राज्य उन्हें एक-एक करके झूठे मामलों में फंसा रहा है। ÷संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए, याचिकाकर्ता ने कहा कि यह याचिकाकर्ता के परिवार के सदस्यों की हिरासत में हुई मौतों की प्रभावी ढंग से जांच करने के लिए राज्य के अधिकारियों पर एक सकारात्मक प्रक्रियात्मक दायित्व डालता है। उन्होंने अपने भतीजे और अतीक अहमद के बेटे की मुठभेड़ में हत्या की भी जांच की मांग की।याचिका में कहा गया है, जांच का उद्देश्य संविधान के तहत जीवन और

स्वतंत्रता की गारंटी के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना है और यह सुनिश्चित करना है कि जहां भी राज्य के एजेंट और निकाय न्यायेतर हत्या के किसी भी मामले में शामिल हों, उन्हें इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाए।याचिका में तर्क दिया गया कि उसके परिवार के सदस्यों - अतीक अहमद, खालिद अजीम उर्फ अशरफ और अतीक के बेटे असद और उनके सहयोगियों की मौत दो पुलिस कर्मियों संदीप निषाद और राघवेंद्र सिंह की मौत का बदला लेने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे गैरकानूनी अभियान का हिस्सा है।याचिका में दलील दी गई है कि टुकड़ों-टुकड़ों में की गई जांच, जो याचिकाकर्ता के परिवार के खिलाफ यूपी सरकार के अभियान के दौरान हुई एक-एक मुठभेड़/हत्याओं पर ही गौर करती है, उच्च अधिकारियों की जिम्मेदारी को सामने लाने में विफल रहेगी।÷इसके अलावा, यह उन अधिकारियों के बजाय प्रत्येक मामले में मौके पर मौजूद अधिकारियों पर मौतों का दोष केंद्रित करेगा, जो इस तरह के कृत्यों को अधिकृत करने, योजना बनाने और समन्वय करने के लिए जिम्मेदार हैं। फूलपुर के पूर्व सांसद अतीक और उनके भाई की 15 अप्रैल को पुलिस हिरासत में तीन शूटरों ने मीडिया के सामने उस समय हत्या कर दी थी, जब उन्हें मेडिकल जांच के लिए प्रयागराज के एक अस्पताल ले जाया जा रहा था। अतीक के बेटे असद को भी अप्रैल में झाँसी में एक मुठभेड़ के दौरान स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने मार गिराया था।सुप्रीम कोर्ट ने 28 अप्रैल को वकील विशाल तिवारी की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार को अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्याओं के मामले में शुरू की गई जांच सहित उठाए गए कदमों को रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया।

भाजपा नेताओं ने बुझे मन से किया वंदे भारत ट्रेन का स्वागत,जिला मुख्याल सीहोर को नहीं मिला स्टापेज

जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रघुवर दयाल गोहिया

सीहोर। मंगलवार को भोपाल से इंदौर के बीच चलने वाली हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर भोपाल से रवाना तो कर दिया लेकिन इसका स्टॉप सीहोर में नहीं होने से नागरिक निराश हैं। साथ ही उनमें गुस्सा भी अजर आया है।

आज सुबह वंदे भारत ट्रेन भोपाल से रवाना होकर स्वागत के लिये सीहोर रेलवे स्टेशन पर भी रुकी। इस ट्रेन का स्वागत करने के लिए रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधि सहित आम लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे थे। सभी ने वंदे भारत ट्रेन का स्वागत किया, लेकिन स्टापेज नहीं मिलने से निराशा भी जताई। ज्ञात रहे कि वंदे भारत ट्रेन करीब साढ़े तीन घंटे में इंदौर से भोपाल पहुंचेगी। इस दौरान इसका सीहोर रेलवे स्टेशन पर स्टापेज नहीं रहेगा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 जून को भोपाल में वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कैबिनेट के मंत्री, सांसद सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। हाईस्पीड वंदे भारत ट्रेन भोपाल से इंदौर महज साढ़े तीन घंटे में पहुंचेगी। लेकिन दुर्भाग्यजनक पहलु ये है कि वंदे भारत ट्रेन सीहोर स्टेशन से बाय-बाय करते हुए निकलेगी। सीहोर स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन का स्टापेज नहीं दिया गया है।कुबेरेश्वर धाम की वजह से देशभर से आते हैं हर दिन सैकड़ों श्रद्धालु सीहोरसीहोर जिला मुख्यालय में रेलवे का रेलवे स्टेशन इंदौर, भोपाल, जबलपुर, दिल्ली, मुंबई से कनेक्टेड है। सीहोर गत कुछ वर्षों से कुबेरेश्वर धाम और भागवत भूषण कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के कारण देशभर में विख्यात हो गया है। पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम के कारण सीहोर की पहचान आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। यहां पर प्रदेश सहित देशभर से श्रद्धालु भक्त सीहोर से होकर कुबेरेश्वर धाम पर पहुंचते हैं। सीहोर आने के लिए श्रद्धालु ट्रेनों के अलावा बस और अपने साधनों से यहां आते हैं, लेकिन दुर्भाग्यजनक पहलु ये है कि सीहोर रेलवे स्टेशन पर अनेक एक्सप्रेस के स्टापेज नहीं है। जो ट्रेनें सीहोर में रुकती हैं वह भी खचाखच भरी हुई आती हैं और यहां से उसी तरह वापस भी जाती हैं। इसके बाद भी सीहोर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का स्टापेज नहीं होना यहां आने वाले भक्तों की परेशानी बनने के साथ ही यहां के व्यवसायी और अन्य यात्रियों के लिए भी दुखदायी होता है। उन्हें यात्रा के लिए अन्य रेलवे स्टेशन या यातायात के अन्य साधनों का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

हर बार की जा रही अनदेखी-

भोपाल का उप गनर सीहोर का बनने की बात हर बार मुख्यमंत्री जी करते हैं, लेकिन सुविधाएं यहां ग्रामीण इलाकों जैसी हैं। वंदे भारत ट्रेन के साथ ही अन्य ट्रेनों का स्टॉपेज सीहोर में होना चाहिए। यहां के स्टेशन को भी हाईटेक बनाया जाना चाहिए। हर बार जिला मुख्यालय पर ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग को अनदेखा किया जा रहा है।

- शैलेंद्र पटेल, पूर्व विधायक इछावर

हाईस्पीड वंदे भारत ट्रेन भी करेगी बाय-बाय- 27 जून से भोपाल से इंदौर के बीच शुरू हुई हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन भी सीहोर स्टेशन पर बाय-बाय करते हुए मुंह चिड़ाते हुए निकलेगी। सीहोर के यात्री और यहां आने वाले यात्रियों के लिए वंदे भारत ट्रेन में यात्रा करने के लिए अन्य स्टेशन से सवार होने के अलावा कोई चारा नहीं होगा। दरअसल अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों की तरह वंदे भारत ट्रेन का स्टोपज सीहोर रेलवे स्टेशन को नहीं मिला है। रेलवे विभाग के अनुसार 27 जून से शुरू हुई वंदे भारत 20911 वंदे भारत ट्रेन इंदौर से सुबह 6.30 बजे रवाना होगी और 7.15 को उज्जैन स्टेशन पर पहुंचेगी। पांच मिनट का ठहराव देने के बाद यह भोपाल के लिए रवाना हो जाएगी और सुबह 9.35 को भोपाल स्टेशन पर पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में 20912 वंदे भारत ट्रेन भोपाल से शाम 7.25 बजे रवाना होगी। यह रात 9.30 को उज्जैन पहुंचकर पांच मिनट का ठहराव देकर रात 10.30 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन में आठ-आठ कोच रहेंगे। ये सप्ताह में छह दिन चलेंगी। इंदौर-भोपाल ट्रेन रविवार को नहीं चलेगी। यात्रा के दौरान यह केवल उज्जैन में ही स्टापेज लेगी। सीहोर स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष रवि मालवीय, विधायक सुदेश राय, नपा अध्यक्ष प्रिंस राठौर आदि सहित रेलवे स्टाफ, स्थानीय नेता और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्टापेज जरूर होना चाहिए

-सीहोर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन स्टॉपेज को लेकर शहरवासियों ने कई बार धरना प्रदर्शन, घेराव और आंदोलन किए हैं, लेकिन इसके बाद भी ट्रेनों के स्टॉपेज नहीं बड़ाए गए। मुख्यमंत्री का गृह जिला होने के बाद भी कोई बड़ी सौगात नहीं मिल रही है। वंदे भारत ट्रेन का स्टॉपेज सीहोर में होना चाहिए।

- रमेश सक्सेना, पूर्व विधायक सीहोर।

ये है वंदे भारत ट्रेन की खूबी-भारत की सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत जो अपनी खुबियों के साथ गति के लिए जानी जाती है। रतलाम मंडल के इंदौर से भोपाल के मध्य परिचालित होगी। वर्तमान में वंदे भारत ट्रेन का परिचालन भारत के सभी रेल विद्युतीकृत राज्यों में किया जा रहा है। आत्म निर्भर भारत को अक्षरशः भारतीय रेलवे द्वारा आत्मसात करते हुए वंदे भारत ट्रेन का निर्माण किया गया है। भारतीय रेलवे द्वारा संचालित की जा रही वंदे भारत ट्रेन को कई सारी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है जो यात्रियों की यात्रा को और अधिक आनंददायक बनाती है। वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार होने पर यात्रियों के पास बैठने की व्यवस्था के तहत चेयर कार या एक्जीक्यूटिव चेयर कार का विकल्प होता है, जिसमें आरामदायक और 360 डिग्री घुमने वाली सीटें होती है। ट्रेन में ऑनबोर्ड स्वच्छ एवं पौष्टिक खान-पान की सुविधा उपलब्ध है। सभी डिब्बों में बड़ी-बड़ी पारदर्शी खिड़कियां यात्रियों को यात्रा के दौरान प्राकृतिक सुंदरता से रूबरू कराता है।

सीहोर में भी हो स्टापेज

-निश्चित रूप से वंदे भारत रेलगाड़ी की सौगात अच्छी है, लेकिन इसका सीहोर में स्टापेज नहीं होना यहां के लोगों के लिए निराशाजनक है। वंदे भारत गाड़ी का सीहोर में भी स्टापेज होना चाहिए। सीहोर आज देश-विदेश एवं प्रदेशभर में विख्यात है। यहां पर सब जगह से यात्री आते हैं, लेकिन कई गाड़ियों का स्टापेज नहीं होने के कारण परेशानियां आती हैं, इसलिए गाड़ियों के स्टापेज के लिए रेल मंत्रालय को भी पत्र लिखेंगे, ताकि यहां पर लोगों को यह सुविधाएं मिलें।

- जसपाल सिंह अरोरा, वरिष्ठ भाजपा नेता, सीहोर

अम्बाह ईदुज्जुहा (बकरीद) त्योहार के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक हुई आयोजित

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... 27 जून 2023 को अम्बाह थाना परिषर में ईदुज्जुहा (बकरीद) त्योहार को आपसी भाई-चारे, शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के दृष्टिगत रखते हुये शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अम्बाह एसडीओपी परिमाल सिह मेहरा ने बताया है कि इस वर्ष ईदुज्जुहा (बकरीद) का त्योहार चन्द्रदर्शन के अनुसार 29 जून 2023 को मनाये जाने की सम्भावना है। उन्होंने अम्बाह डिबीजन की शांतिप्रिय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण की परम्परा को बनाये रखते हुए त्योहार को आपसी ताल-मेल, अमन पसंदी से भाई-चारें के साथ मनाने की अपील किया। उन्होंने अम्बाह पोरसा के विभिन्न इलाकों में कानून व्यवस्था, बिजली, पानी, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के बारे में उपस्थित सम्भ्रान्त नागरिकों, धर्मगुरू एवं समिति के सदस्यों से फीडबैक प्राप्त करते हुए आवश्यकतानुसार सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। बिजली बिभाग के अधिकारियो से कहा बाजार मे बरषात के मौसम में कई कई जगह लाइट के खम्बो में करंट आने की संभावना है

पाइप के सपोट को लेकर प्लास्टक के पाइप से खम्बो को बॉउन्डोबर करवा दे नही तो जन हानि होने की संभावना है अगर लापरबाही हुई तो जनता पुलिस केश बनबाने से बिभाग पर नही चूकेगी बैठक में उपस्थित धर्मगुरू सहित विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए सम्भ्रान्त नागरिकों ने प्रशासन के साथ अपने सामान्य परिचय के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों में अमन चैन, आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण तरीके से त्योहारो को मनाये जाने की परम्परा की याद दिलाते हुए आगामी त्योहार को भी मिल-जुल कर मनाये जाने का आश्वासन दिया। तहसीलदार राजकुमार नागोरिया ने किसी भी समस्या अथवा शिकायत की दशा में तत्काल प्रशासन/पुलिस प्रशासन को सूचित करने की भी अपील की। बैठक में उन्होंने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति आपसी भाई-चारें और सौहार्द के वातावरण में व्यवधान पैदा करने की कोशिश करते हुए पाया जाएगा तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी एसडीओपी परिमाल सिह मेहरा ने विशेष तौर पर सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाये जाने वाले अफवाहो पर ध्यान न देने तथा अपने स्तर पर ही इसे रोक देने की बात कही। उन्होंने सभी से पुलिस प्रशासन के साथ सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी सम्भावित घटनाओं आदि बारे में तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करे।इस अवसर पर नगरपालिका से केके दीक्षित व बिजली बिभाग से एई व जेई साहब व संतोष बर्मा पार्षद करू पूर्व पार्षद रबि शर्मा मनान खॉन मीनू असफॉक खान अब्बदुल रहू सहित समस्त थाना स्टाप, धर्मगुरू, एवं सम्भ्रांत नागरिक आदि उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया की अपील से सडक दुर्घटना में हुए घायल रोहित को मिला सहारा

बारह लाख रूपये का मिला सहयोग राजस्थानी प्रवासियों ने दिया मानवता का परिचय

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू -एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए रोहित को एक निजी अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया द्य घायल के पिता की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण उपचार कराने में असमर्थ दिखे द्य विकट परिस्थिति को भांपते हुए लोगों ने मरीज के ऑपरेशन के लिए तकरीबन 12

लाख रूपये की आर्थिक सहयोग राशि व्हाट्सएप समुह के माध्यम से एकत्रित कर उचित उपचार कराया द्य मरीज के परिजनों ने आर्थिक सहयोगियों की सराहना कर आभार जताया द्य सहयोग के लिए गौ सेवा समिति होरामावु रोड के सदस्य तथा सर्व समाज के राजस्थानी प्रवासियों ने सहयोग दिया उसके लिये गौ सेवा समिति होरामावु ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया है। गौ सेवा समिति होरामवु रोड के सदस्यों ने बताया कि हमने सुबह रोहित के ऑपरेशन के लिए मैसेज लिखा था तब हमें विश्वास नही था ।की हमारी राजस्थानी समाज रोहित के लिए इतना सहयोग करेंगी। परन्तु आज हमें विश्वास हो गया है ।कि हमारी राजस्थानी समाज किसी से पीछे नही है ।

प्रधानमंत्री मोदी के पास ट्रेन को झंडी दिखाने के लिए समय है,मगर महंगाई,बेरोजगारी,किसानों पर बात करने के लिए समय नहीं है : डॉ. गोविंद सिंह

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयानों पर बोलते हुए कहा कि महंगाई पर प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं बोला उल्टा महंगाई के नाम पर पाकिस्तान और श्रीलंका से भारत की तुलना करने लगते हैं।

डॉ सिंह ने कहा कि हिंदू - मुस्लिम वाद कांग्रेस नहीं बीजेपी करती है। हिंदू और मुस्लिमों को भड़काने का काम भी हमेशा से भारतीय जनता पार्टी ही करती है।

डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी कभी भी महंगाई - बेरोजगारी और किसान के मुद्दे पर बात नहीं करते बल्कि चुप्पी साध लेते हैं।डॉ. सिंह ने

कहा कि भाजपा के शासनकाल में भृष्टाचार एवं बेरोजगारी व अपराध बड़ गया है जिसे केंद्र की सरकार काबू नहीं कर पा रही है। डॉ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के पास ट्रेन को झंडी दिखाने के लिए समय है, मगर भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, किसानों पर बात और मणिपुर पर बोलने के लिए समय नहीं है।

शराब ठेकेदार मुख्य आरोपी को आरोपी बनाने की मांग को लेकर जयस और भीम आर्मी ने मोर्चा खोला

बड़ी संख्या आदिवासी एकत्रित होकर नये पुल पर मुख्य मार्ग पर न्याय दिलाने की मांग की जा रही है

खरगोन जिले से
मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

जयस व भीम आर्मी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेकुछ दिन पहले शराब ठेकेदार के आदमियों द्वारा शराब की तस्करी के शक में आदिवासी युवक दिनेश पिता अमर सिंह को ठेकेदार के आदमियों द्वारा मार-मार कर काफी गंभीर चोटे पहुचाई गई संदिग्ध परिस्थितियों में पुलिस ने दिनेश पिता अमर सिंह का शव गिट्टी खदान के पास से बरामद किया गया शरीर पर मारपीट घसीटने के निशान पाए जाने पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर पिएम के लिए खरगोन जिला अस्पताल भेजा गया इन सभी आरोपियों के साथ ठेकेदार गौरव जायसवाल एवं मेनेजर को भी मुख्य आरोपी बनाया जानें की मांग जयस जिला संगठन मांग करता है संगठन की 6 मांगों को आज जयस एवं भीम आर्मी संगठन ने अपनी मांगों को लेकर खरगोन जिला मुख्यालय के नये पुल पर नवागत कलेक्टर कार्यालय परिसर के बाहर नये पुल पर काफी संख्या में जिले से आये आदिवासी एकत्रित होकर बैठ गए और पिडिता परिवार को न्याय दिलाने की मांग प्रशासन से की जा रही है और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार को बंद करवाये मृतक के परिजन को आभी तक प्रदेश के मुखिया ने बात तक नहीं की मुख्य आरोपी पर 302 का मुकदमा दर्ज किया जाए और पिडिता परिवार को शासन राहत राशि शीघ्र दि जाये

नपा भिंड में अधिकारी कर रहे हैं मनमानी,कलेक्टर से शिकायत के बाद भी नहीं मिला समय पर कलेक्टर रेट से वेतन : वाल्मीकि

समस्यायों का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो यूनियन करेगा न्यायालय में याचिका दायर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । यूनियन की शिकायत के बाद कलेक्टर सतीश कुमार एस ने अधिकारियों को सफाई कर्मचारियों को समय से कलेक्टर रेट से वेतन का भुगतान करने के आदेश के बाद भी नगर पालिका भिंड के अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की यह बात राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुडडू वाल्मीकि एडवोकेट ने कलेक्टर को लिखे स्मरण पत्र में कहीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट श्री वाल्मीकि ने बताया है कि यूनियन द्वारा विगत माह कलेक्टर सतीश कुमार एस तथा परियोजना अधिकारी पराग जैन को ज्ञापन सौंपकर सफाई कर्मचारियों को माह के प्रथम सप्ताह में कलेक्टर रेट से वेतन का भुगतान करने की मांग की गई लेकिन निकाय के अधिकारियों द्वारा सफाई कर्मचारियों एवं वाहन चालकों को माह की 16 तारीख को 9325/- रुपये वेतन का भुगतान किया गया। जो कि श्रम विभाग मध्यप्रदेश शासन तथा कार्यालय कलेक्टर द्वारा जारी न्यूनतम मजदूरी दर अकुशल श्रमिक 9650/- सफाई कर्मचारियों के लिए तथा कुशल श्रमिक 11885/- वाहन चालकों के लिए तय की गयी है लेकिन निकाय के अधिकारी लगातार शासन प्रशासन के आदेशों की अवहेलना कर सफाई कर्मचारियों एवं वाहन चालकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है अगर समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं किया जाता है,तो उच्च अधिकारियों से शिकायत कर न्यायालय में याचिका दायर करेंगे।

आगामी ईद के त्यौहार को लेकर मालनपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर थाना परिसर में आज ईद के त्यौहार को मध्य नजर रखते हुए शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें थाना प्रभारी मालनपुर डॉक्टर संतोष यादव ने मालनपुर के गणमान्य नागरिक एवं सर्व समाज के लोगों व पत्रकार बंधुओं एवं पार्षदों के साथ शांति समिति की बैठक ली जिसमें उन्होंने कहा कि त्योहारौ कोशांतिपूर्वक एवं सद्भावना के साथ मनाएं जिससे मालनपुर नगर में अमन-चैन और शांति बनी रहे अगर किसी ने उद्दंडता करने की कोशिश की तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी कानून के हाथ बहुत मजबूत है त्योहार शांतिपूर्वक मनाएं इस अवसर पर उपस्थित रहे वरिष्ठ एस आई बलबंत यादव, ठेकेदार धनंजय शर्मा, पार्षद अनिल शर्मा, पार्षद हेम सिंह, सुषमा सिंह, सोवद खान, नौशाद खान, जिन्ने खान, आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे

सारस गणना 2023 में बालाघाट जिला रहा अग्रणी

हमेश कटरे रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे न्यूज बालाघाट

सर्वाधिक 49 सारस पाए गए जिला पुरातत्व एवं संस्कृती परिषद बालाघाट के नोडल अधिकारी द्वारा बताया गया कि बालाघाट कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्री डी एस रणदा के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सेवा संस्था वन विभाग के साथ सारस गणना का कार्य किया जा रहा है। सारस गणना में पूर्व वर्षो की तरह बालाघाट जिला अग्रणी रहा है। यहां तीन जिलों की अपेक्षा बालाघाट में सर्वाधिक 49 सारस पाये गये है। दूसरे स्थान पर गोंदिया जिला है जहां 31 सारस तथा भण्डारा जिले में महज 4 सारस की गणना की गई है । जिला प्रशासन द्वारा सेवा संस्था के सारस संरक्षण कार्य की सराहना की एवं आगे भी सारस संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करते रहने की बात कही।पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण तथा संवर्धन के लिए कार्यरत÷सेवा÷ संस्था अध्यक्ष श्री सावन बहेकार तथा सारस संरक्षण प्रकल्प प्रभारी सेवा संस्था सदस्य के नेतृत्व में तथा बालाघाट उत्तर-दक्षिण वनमंडल एवं जिला पुरातत्व एवं संस्कृती परिषद बालाघाट स्थानीय किसान मित्र के सहयोग से सारस गणना का कार्य पारंपारिक तथा शास्त्रीय पध्दती से किया गया 6 दिनों तक चली सारस गणना में गोंदिया तथा बालाघाट जिले में कुल 70 एवं 80 जगहों पर सेवा संस्था के सदस्य स्थानिय किसान, सारस मित्र तथा वन विभाग बालाघाट एवं गोंदिया के अधिकारी तथा कर्मचारियों द्वारा सारस गणना को अंजाम दिया गया।बालाघाट जिले के लिए 25 तथा गोंदिया भंडारा जिले में 39 टीमे बनाकर सारस के रहवास स्थल पर सुबह 5 बजे से 9 बजे तक विभिन्न स्थानों पर प्रत्यक्ष जाकर गणना की गयी प्रत्येक टिम में 2-4 सेवा संस्था के सदस्य तथा डीएटीसीसी सदस्य वन विभाग कर्मचारियों का समावेश किया गया था । संस्था के सदस्यों द्वारा पुरे वर्षभर सारस के विश्राम स्थल, प्रजनन अधिवास तथा भोजन के लिए प्रयुक्त भ्रमण पद पर नजर रखी जाती है साथ ही सारस के अधिवास एवं उनके आसपास रहनेवाले किसानों को सारस का महत्व बताकर उसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रेरित किया जाता है। परिसर के स्कुल तथा महाविद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं सारस संवर्धन एवं संरक्षण से संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से सारस संरक्षण अभियान से जोड़ा जाता है । ज्ञात हो कि पूर्व में सारस संरक्षण करने वाले किसान आमजन को सारस मित्र सम्मेलन के माध्यम से सेवा संस्था द्वारा कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में सारस मित्र सम्मेलन आयोजित कर किसानों सारस मित्रो को कलेक्टर बालाघाट के हस्ते सम्मानित किया गया था बाघ एवं वैनगंगा नदी महाराष्ट तथा मध्यप्रदेश के बालाघाट तथा गोंदिया जिलों को विभाजित करती है भौगोलिक दृष्टिकोण से नदी के दोनों ओर के प्रदेश की जैवविविधता मे काफी समानता पायी जी है। अतः कुछ सारस के जोडें अधिवास तथा भोजन के लिए दोनों ओर के प्रदेशों में समान रूप से विचरण करते पाये जाते है। सीमाओं का बंधन उनके लिए मायने नही रखता जो मनुष्य के लिए एक अच्छा सबक है आकडों की विश्वसनियता एवं सारस की उपस्थिती पर संदेह की गुंजाईश ना रहे इसके लिए दिनांक 19 से 23 तक प्रतिदिन सुबह एवं शाम सभी सारस अधिवास पर जाकर सारस की स्थिती का जायजा लिया गया। जिसमे खेत, तालाब, नदियों पर जाकर स्थानिय लोगों से भी बातचित की गयी। 17 जून को बालाघाट जिले में 25 टीमो के द्वारा 60 से 70 स्थानों पर प्रकल्प प्रभारी श्री अविजित परिहार के मार्गदर्शन में गणना कार्य किया गया गोंदिया जिले में दिनांक 18 जून को कुल 39 टीमों में कुल 70 से 80 स्थानों पर जाकर जिसमें हर स्थान पर वनविभाग के कर्मचारियों के साथ गणना की गयी थी।सारस गणना के संपूर्ण अभियान में उत्तर-दक्षिण वनमंडल बालाघाट के वनमंडल अधिकारी अभिनव पल्लव, एस.डी.ओ. प्रशांत साखरे, हट्टा वनपरीक्षेत्र अधिकारी आकाश राजपूत, वनपरीक्षेत्र अधिकारी बालाघाट धर्मेंद्र बिसेन, वनपरीक्षेत्र अधिकारी किरणापूर नेहा घोडेश्वर, वनपरीक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी छत्रपाल सिंग इनका अमुल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग मिला साथ ही जिला पुरातत्व एवं संस्कृती परिषद बालाघाट के सहायक नोडल रवि पालेवार डीएटीसीसी सदस्य अभय कोचर व समस्त वनकर्मचारियों का सहयोग प्राप्त हुआ है। सेवा संस्था के सभी सदस्यों ने गणना कार्य में अथक प्रयास किये सिंकदर मिश्रा निशांत देशमुख शशांक लाडेकर, कन्हैया उदापुरे, दुस्यंत आकरे, विशाल कटरे, गौरव मटाले, सुशिल बहेकार, प्रशांत मेंढे, प्रविण मेंढे, विकास फरकुंडे, बबलू चुटे, मधु डोये, निलू डोये, कैलाश हेमने, प्रशांत लाडेकर, डिलेश कुसराम, लोकेश भोयर, पप्पु बिसेन, बसंत बोपचे, राहुल भावे, रतिराम क्षीरसागर, नखाते जी, प्रवीण देशमुख, अमित बेलेकर, शिवोना भोजवानी, पवन सोयम, अक्षय विधाते, निलेश राणे, रिशील डाहाके, संदीप राणा, मोहित पटले, संदीप तुरकर आदि का भरपूर सहयोग से सारस गणना का कार्य सफलता पूर्वक संम्पन हुआ

बकरीद के त्यौहार को लेकर गोहद थाने में हुआ शांति समिति बैठक का आयोजन

दैनिक पुस्पांजली टुडे

गोहद थाना परिसर में बकरीद के त्यौहार को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 29 जून को मनाई जाने वाली बकरीद की तैयारियों के चलते प्रशासन ने सर्व समाज की बैठक लेकर व्यवस्थाओं के बारे में जाना साथ ही मस्जिदों में होने वाली नमाज के टाइम टेबल पर विस्तृत चर्चा की गई जिसमें,एसडीएम शुभम शर्मा, एसडीओपी सौरभ कुमार,थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा,साबू खान हसमत अली अकरम खान अबरार खान दिनेश भटेले नसीर खां मुखिया जी अनिल भारद्वाज बल्लू सैमर तहसील साह, ठाकुर दास ,पिंकी उच्चाडिया आदि शामिल हुए

थाना उमरी में शांति समिति की बैठक संपन्न

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मनीष खत्री जी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय कमलेश खरपूसे जी तथा एसडीओपी मुख्यालय अरविंद शाह जी के निर्देशन पर हुआ शांति समिति की बैठक का आयोजन

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

बैठक में थाना प्रभारी उमरी निरी.रविन्द्र शर्मा, तहसीलदार निशीकांत जैन, उमरी सरपंच वीरेंद्र सिंह यादव,पत्रकार बंधु,राघवेंद्र सिंह,प्रदीप राजावत,धर्मेंद्र ओझा, इमाम अब्दुल हमीद व गणमान्य नागरिक व व्यापारी उपस्थित रहे ।शांति समिति की बैठक में थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा द्वारा उमरी में यातायात व बाजार व्यवस्था हेतु व्यापारियों से मांगा सहयोग उपस्थित सभी नागरिकों को स्वयं का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया तथा 24 घंटे वैलिड कार्य के लिए उपस्थित रहने की बात कहीसीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए व्यापारियों को प्रोत्साहित किया व सीसीटीवी कैमरा के फायदे बताए।जमीन संबंधी मामलों की शिकायत थाना उमरी के स्थान पर तहसील कार्यालय (राजस्व विभाग) में करने व राजस्व विभाग को कानून व्यवस्था बनाने के लिए बल उपलब्ध कराने की बात कही। तहसीलदार निशिकांत जैन ने भूमि संबंधी विवादो मेंको अपनाई जाने वाली कानूनी प्रकिया से अवगत कराया ।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के मुख्य आतिथ्य मे विश्वकर्मा समाज का हुआ महासम्मेलन

उप संपादक महेंद्र शर्मा जी पुष्पांजलि टुडे

करैरा - कल बगीचा सरकार की पावन नगरी करैरा मे विश्वकर्मा समाज का महासम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें केंद्रीय मंत्री भारत सरकार श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वकर्मा जन संगठन के प्रदेशाध्यक्ष श्री मनोज विश्वकर्मा जी ने की समाज के सैंक?ों लोग कार्यक्रम मे सम्मिलित रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमति सुनीता विश्वकर्मा जी श्री रमेश विश्वकर्मा जी अध्यक्ष ग्वालियर चम्बल संभाग श्रीमति सीमा

गौ? भाजपा मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा करैरा श्री जसमन्त जाटव जी (कैबिनेट मंत्री दर्जा म.प्र.शासन) श्री सुरेश राठखे?ा जी (कैबिनेट मंत्री दर्जा म.प्र.शासन) श्री राजू बाथम जी जिलाध्यक्ष भाजपा शिवपुरी श्रीमति शकुंतला खटीक जी पूर्व विधायक करैरा स्वागत भाषण श्री शशिकांत विश्वकर्मा जी जिलाध्यक्ष शिवपुरी विश्वकर्मा जन संगठन द्वारा किये गए ।श्रीमंत सिंधिया जी ने कहा कि विश्वकर्मा समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है विश्वकर्मा समाज को जहाँ भी सिंधिया परिवार की जरूरत प?ेगी तो मैं कंधा से

कंधा मिलाकर विश्वकर्मा समाज के साथ ख?ा रहूंगा इस अवसर पर श्री रमेश विश्वकर्मा जी श्री जुगलकिशोर विश्वकर्मा जी श्रीमति रानी विश्वकर्मा जी श्रीमति नीतू विश्वकर्मा जी ओमप्रकाश विश्वकर्मा जी श्री जगदीश विश्वकर्मा जी श्री रामबाबू विश्वकर्मा जी श्री प्रीतम विश्वकर्मा जी श्री बाबूलाल विश्वकर्मा जी श्री पप्पी विश्वकर्मा जी श्री संजय विश्वकर्मा जी श्री रामप्रताप विश्वकर्मा जी श्री छबिराज विश्वकर्मा जी श्री वीरसिंह विश्वकर्मा जी श्री पूरन विश्वकर्मा जी श्री रामबरन विश्वकर्मा जी श्री राजेश विश्वकर्मा जी श्री राजेन्द्र विश्वकर्मा जी श्री टिंकू विश्वकर्मा जी श्री घनश्याम विश्वकर्मा जी श्री मोनू विश्वकर्मा जी श्री कमल विश्वकर्मा जी गोपी विश्वकर्मा जी पवन विश्वकर्मा जी और भी कई साथी मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

प्रधानमंत्री ने अंतिम छोर तक के व्यक्ति को विकास की दिशा से जोड़ा : ओपीएस भदौरिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मेहगांव । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपा सरकार के 9 वर्ष पूर्ण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी ने 30 मई से 30 जून तक एक महासंपर्कअभियान कार्यक्रम शुरू किया है। पार्टी ने नौ वर्ष की उपलब्धियों को लेकर एक वेबसाइट भी लॉन्च की है।भाजपा ने जन संपर्क एवं जनता से समर्थन के लिए एक मिस्ड कॉल नंबर 9090902024 भी लॉन्च किया है। अगले एक महीने तक भाजपा 29 विधानसभाओंऔर 230 विधानसभाओं में कई कार्यक्रम आयोजित करेगी। यह उद्गार पार्टी के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने

जिले के विधानसभा क्षेत्र मेहगांव मैं प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से रूबरू होते हुए कहीं । उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और अंतोदय की विचारधारा से गरीब कल्याणकारी योजनाओं को संचालित करते हुए गरीब मजदूर किसानों को एवं संवर्ग समाज के विकास की चिंता करते हुए आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रही है।उन्होंने कहा कि कांग्रेश कर्ज माफी के नाम पर झूठ बोलकर वोटों की फसल काटने का काम कर रही है भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, जिला उपाध्यक्ष सुधा राठौर, मेहगांव नगर परिषद की पूर्व अध्यक्ष ममता भदौरिया,मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह भदौरिया विशेष रूप से मौजूद थे।राज्यमंत्री श्री भदौरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना हमारी महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान कर रही है।

फर्स्ट ईयर के पेपर में गड़बड़ी होने को लेकर छात्रों ने ज्ञापन सौंपा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । एमजेएस कॉलेज में फर्स्ट ईयर के पेपर में गड़बड़ी पाई गई जिसमें छात्र छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ा इस मौके पर तत्काल एनएसयूआई छात्र नेता आयुष मिश्रा पहुंचे और सभी छात्रों की समस्याओं को देखते हुए कॉलेज प्राचार्य से दोबारा पेपर कराए जाने की मांग की और आयुष मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा है अगर ऐसी गड़बड़ी दोबारा पाई गई एनएसयूआई आंदोलन करेगी।

अहिंसा नशा मुक्ति केंद्र मालनपुर में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर पहलवान सिंह राजावत

सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस संपूर्ण विश्व भर में मनाया जाता है इस उपलक्ष पर मालनपुर भिंड में संचालित अहिंसा नशा मुक्ति केंद्र आई आर सीए में अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस जोर शोर से मनाया गया जिसकी अध्यक्षता समग्र अधिकारी भिंड श्रीमती नीतू द्वारा की गयी उन्होंने संस्था के सभी पेशेंट को नशा ना करने के लिए प्रेरित किया जबकि संस्था के अध्यक्ष श्याम सुन्दर श्रीवास्तव ने सभी पेशेंट को नशा ना करने की शपथ दिलाई

कार्यक्रम में नशा मुक्ति केंद्र के पेशेंटस ने डांस चित्रकला तथा नुककड़ नाटक कर नशा ना करने की कसमे खाई तथा समग्र अधिकारी द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान की गाड़ी को झंडी दिखाकर रवाना किया इस उपलक्ष्य पर संस्था सचिव दीपेश श्रीवास्तव डॉ परमार प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर मनोज कुमार पियर एजुकेटर मुकेश योगा टीचर विकाश शर्मा वार्ड बॉय निशांत श्रीवास्तव शिक्षक और समाजसेवी प्रशांत दिशा श्री वास्तव लवली गौर गोर्ड सुरेश के साथ गाँव के बच्चें तथा सभी अन्य लोग उपस्थित रहें।

प्रशांत कुमार यादव को विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया

सोनू कुमार माथुर ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

एटा के अधिवक्ता श्री प्रशांत कुमार यादव पुत्र श्री रामजीलाल निवासी नगला बंदी पोस्ट नगला खिल्ली थाना निधौली कलां जिला एटा को बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष श्री जय नारायण पाण्डेय जी द्वारा अपना विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है श्री प्रशांत यादव एडवोकेट जी को विशेष प्रतिनिधि बनाए जाने पर एटा तथा एटा के आसपास के जिलों के अधिवक्ताओं को अपना काम

कराने के लिए बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश इलाहाबाद का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा और ना दौड़ना पड़ेगा बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश से संबंधित जरूरतमंद अधिवक्ताओं की मदद करेंगे।विशेष प्रतिनिधि बनाए जाने पर बधाई देने वाले अधिवक्ताओं में महासचिव रोहित पुण्ढीर, राकेश यादव एडवोकेट पूर्व महासचिव, अनिल शर्मा एडवोकेट ,अविनाश यादव एडवोकेट ,अन्नू यादव एडवोकेट, रोहित शर्मा एडवोकेट, कैलाश राजपूत एडवोकेट

विधानसभा चुनाव- 2023 को दृष्टिगत रखते हुये जिला भिण्ड एवं इटावा के साथ पुलिस एवं प्रशासन की बॉर्डर मीटिंग हुयी सम्पन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

इटावा (उ.प्र.)। मध्यप्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव- 2023 को दृष्टिगत रखते हुये जिला भिण्ड की सीमा से लगे उ.प्र. राज्य के इटावा जिले के पुलिस व सामान्य प्रशासन एवं जिला भिण्ड के सामान्य प्रशासन व पुलिस की संयुक्त बॉर्डर मीटिंग जिला इटावा उ.प्र. मे सम्पन्न हुयी। जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव- 2023 को निर्विघ्न व शन्तिपूर्ण रुप से सम्पन्न कराने के लिये कार्य योजना बनाई गयी व साथ ही दोनो जिलो के अपराधियों, वारण्टियों एवं चुनाव प्रभावित कर सकने वाले असामाजिक तत्वों की जानकारियों साझा की गयी तथा दोनो जिलो के अन्तर्राज्यीय सीमा पर चेकिंग नाके आदि स्थापित करने के सम्बन्ध मे भी परिचर्चा कर योजना बनायी गयी।उक्त बॉर्डर मीटिंग में जिला भिण्ड से

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. ,एडीएम भिण्ड जेपी सैयांम व पुलिस प्रशासन से पुलिस अधीक्षक भिण्ड मनीष खत्री अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपुसे,उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय अरविन्द्र शाह , अनुविभागीय अधिकारी अटेर दिनेश बैस एवं थाना प्रभारी उमरी निरीक्षक रविन्द्र शर्मा,थाना प्रभारी नयागाँव एसआई आलोक तोमर, थाना प्रभारी फूप निरीक्षक प्रमोद साहू , थाना प्रभारी सुरपुरा उपनिरीक्षक अमित सिकरवार तथा जिला इटावा कलेक्टर अवनीश कुमार राय,एसएसपी इटावा संजय कुमार बर्मा,एसपी सिटी कपिलदेव,एसपी ग्रामीण सत्यपाल सिहं,सीओ चकरनगर राकेश वशिष्ट,सीओ जसवंतनगर अतुल प्रधान,थाना प्रभारी सहसौ राजीव कुमार,थाना प्रभारी विठौली बृजेन्द्र कुमार,थाना प्रभारी बडपुरा अमित मिश्रा,थाना प्रभारी पछायगॉव अनुभव चौधरी, एसडीएम चकरनगर मलखान सिहं उपस्थित रहें ।

मूसलाधार बारिश से नदी नाले उफान पर, एसडीएम, एसडीओपी ने क्षेत्र का किया निरीक्षण,दादा कोटेश्वर महादेव का हुआ जलाभिषेक

पुष्पांजली टुडे न्यूज बालाघाट

लांजी- लांजी क्षेत्र मे विगत 3 दिनों से लगातार बारिश के चलते क्षेत्र के सभी नदी नाले उफान पर है, जिसके चलते बाढ जैसी स्थिती निर्मित हो गई है। क्षेत्र में 25 जून को मानसून से दस्तक दी और यह दस्तक ऐसी रही कि 25 जून से लेकर समाचार लिखे जाने तक लगातार जारी है। रूक रूक कर हो रही बारिश से खेत खलियान सहित नदी नालो मे सभी जगह पानी ही पानी नजर आ रहा है। क्षेत्र के कुछ छोटे नदी नाले 26 जून की रात्रि से हो रही तेज बारिश के चलते उफान पर आ गये है तो वहीं कुछ रास्ते जिसमे सेवती सिंगोला मार्ग पर सावरीकला चिखलामाली के बीच पडने वाले नाले पर पानी होने के आवागमन बाधित हुआ तो वही लांजी सालेटेकरी मार्ग पर कटंगनाले पर भी पानी चढ जाने मार्ग अवरूद्ध होने की जानकारी प्राप्त हुई है।

एसडीएम, एसडीओपी सहित स्थानीय प्रशासन ने किया क्षेत्र का निरीक्षण-क्षेत्र मे हो रही लगातार बारिश के साथ प्रशासन भी अलर्ट मे आ चुका है तथा मुस्तैदी के साथ पुलिस एवं राजस्व के अधिकारी जिनमे एसडीएम प्रदीप कुमार कौरव, एसडीओपी दुर्गेश आर्मो, तहसीलदार अजय श्रीवास्तव, थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी, बहेला थाना प्रभारी सहित पुलिस बल एवं राजस्व से आर आई, पटवारी तथा संबंधित अमले के साथ क्षेत्र मे जिन जिन स्थानो पर जल भराव एवं नदी नाले उफान की स्थिती दिखाई दी है उन स्थानो पर प्राथमिकता के साथ निरीक्षण कर स्थिती को सुचारू किया गया है। जिसके तहत सर्वप्रथम उक्त टीम ग्राम रिसेवाड़ा पंहुची जहां रिसेवाड़ा मे जल भराव की स्थिती उत्पन्न हो गई थी, तत्काल ही जेसीबी मशीन बुलाकर पानी की निकासी करवाई गई। इसी कडी मे कारंजा पुल निर्माण क्षेत्र में उक्त अधिकारियो के द्वारा मौका स्थल पर पंहुचकर जेसीबी मशीन की सहायता से पानी की निकासी करवाई गई। तथा ठेकेदार का निर्देशित किया गया है बैरिकैट्स बनवाये एवं रेडीयम लगाये जाये ताकि रात्रि के समय वाहनो को परेशानी ना हो एवं मौके पर एक चौकीदार को तैनात करे । इसके अतिरिक्त अन्य स्थानो का भी अधिकारियो के द्वारा निरीक्षण कर लगातार स्थिती का जायेजा लिया जा रहा है।

किसानों मे कहीं खुशी कहीं गम-लांजी क्षेत्र में जहां अधिकांश क्षेत्रो मे रबी की फसल लगाई जाती है उन किसानो के पास सिंचाई के पर्याप्त साधन है। उनके रबी की फसल कटने के उपरांत ही खार बुआई का कार्य पहले ही पूर्ण कर लिया है एवं वर्तमान में परहा लगाने की स्थिती मे आ चुके है। अब जब दो दिनो से लगातार बारिश होने से किसान परहा लगाना प्रारंभ कर देंगे। वही दुसरी ओर देखे तो जिनके पास सिंचाई के साधन नही है उन्होने बारिश के इंतजार मे अब तक खार की बुआई नही किये है एवं दो दिन हो रही तेज बारिश के कारण अभी कुछ दिन और बुआई नही कर पायेंगे जिससे वे किसान परेशान है।

कोटेश्वर महादेव का प्रकृति ने किया जलाभिषेक-प्रतिवर्ष प्रकृति कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक करती है लेकिन यह पहली बार हुआ है कि पहली ही बारिश में कोटेश्वर महादेव का प्रकृति के द्वारा जलाभिषेक किया गया। हमेशा से देखने मे आया है वर्षा काल के मध्य या सावन मास के बाद भारी बारिश होने पर यह स्थिती निर्मित हुआ करती थी लेकिन इस वर्ष दो दिन से लगातार हो रही बारिश यह स्थिती निर्मित हुई और कोटेश्वर महादेव मंदिर गर्भगृह मे जल भराव हो गया अध्यात्मिक दृष्टि कोण से देखा जाये तो जिसे प्रकृति के द्वारा कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाना कहा जा रहा है।

किसान अन्नदाता ही नहीं, भारत का भाग्य विधाता भी - सांसद चौधरी

पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री ने रोहट में किसान सम्मान निधि लाभार्थी किसानों का संबोधित, कार्यकर्ताओं संग मेरा बूथ-सबसे मजबूत कार्यक्रम में लिया वर्चुअली भाग

पुष्पाजंली टुडे

पाली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की चिंता करते हैं। जब भी उनसे लोकसभा कार्यवाही या व्यक्तिगत मिलना होता है तो वे हमेशा कहते हैं कि अपने किसान भाईयों के लिए मुझे कुछ करना है। किसानों के लिए योजनाएं बनाई जाती है। किसानों के अनुसार हीं प्रोजेक्ट बननी चाहिए। प्रधानमंत्री जी की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि पिछले नौ सालों में किसान भाई-बहनों के प्रति उन्होंने जो काम किया है। वह काफी सराहनीय है। पिछले अनेक वर्षों में इतना काम नहीं हुआ है। किसान भाई बहनों के खाता में हर वर्ष 6 हजार रुपया जाता है। प्रधानमंत्री हमेशा हम लोगों को एक बात कहते हैं कि किसानों की आय दोगुनी होनी चाहिए।मोदी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण के होने के उपलक्ष में महासंपर्क अभियान के तहत राम टिला, रोहट में किसान लाभार्थी सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में पाली सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री पीपी चौधरी ने किसानों से प्रधानमंत्री के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि किसान अन्नदाता ही नहीं, भारत का भाग्य विधाता भी है। किसान के बेटों ने सीमाओं की रक्षा की है। भारत को ताकतवर बनाने के लिए किसानों को ताकतवर बनाना होगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की योजनाएं, कार्यक्रम एवं अन्य सारी गतिविधियां सदैव इसी प्रयास में रही हैं कि देश किसान पूरी इच्छाशक्ति से कृषि उद्यमी बनें। कृषि के लिए सबसे अधिक बजट, उत्पादन में बना रिकॉर्ड, एमएसपी में रिकॉर्ड वृद्धि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, किसान रेल आदि ऐसी क्रांतिकारी योजनाएं और नवीन रिकॉर्ड कृषि क्षेत्र में हुए हैं। कांग्रेस ने दिया सिर्फ धोखा, सांसद चौधरी ने कहां कि कृषि और पशुपालन हमारी अर्थव्यवस्था का हमेशा से ही आधार रहे। आज भी यह बात उतनी ही प्रासंगिक है, लेकिन राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने इस किसान वर्ग को पूरे साड़े चार हासिए पर रखा है। अब यही किसान आने

वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को आइना दिखाएगा। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जा माफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्ज माफी का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस ने प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज न बड़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की कमर तोड़ दी। इसके साथ ही बिजली कटौती करके किसानों के साथ में धोखा किया जा रहा है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 9 साल के कार्यकाल में किसानों की रीड़ को मजबूत करने का काम किया ह।. देश की अर्थव्यवस्था में किसानों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इसे मोदी सरकार ने बखूबी समझा है। केंद्र सरकार ने किसानों के लिए ऐसी योजनाएं लागू की जिससे आज किसान कर्ज माफी की नहीं बल्कि कर्ज मुक्ति की ओर बड़ रहा है।मेरा बूथ-सबसे मजबूत में कार्यकर्ताओं संग जुड़े इससे पहले सांसद चौधरी रोहट मण्डल के बूथ संख्या 193 पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेरा बूथ-सबसे मजबूत कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े। कार्यक्रम के बाद सांसद चौधरी ने कार्यकर्ताओं को एकजूटता का संदेश देते हुए कहा कि चुनाव के अंतिम लड़ाई बूथ स्तर पर ही लड़ी जाती है। ऐसे में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के उद्बोधन से राष्ट प्रथम की भावना के साथ विकसित भारत के संकल्प सिद्धी का अमूल्य मंत्र मिला है। भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं के मन को 'राष्टहित सर्वोपरि' की भावना से दीप्त करने के लिए सांसद ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को बूथ को मजबूत कर भाजपा को आगामी चुनावों में जीत हासिल करवाने का आह्वान किया। उक्त कार्यक्रमों में विधायक ज्ञानचंद पारख, प्रदेश महामंत्री किसान मोर्चा ओपी यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष किसाना मोर्चा खीमाराम चौधरी, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा दिग्विजय सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा, मण्डल अध्यक्ष प्रतापसिंह, घीसूसिंह राजपुरोहित, देवाराम पटेल, जगदीशसिंह, गंगादान चारण, पेमाराम विश्नोई, बाबूसिंह ढाबर, केशरसिंह, विक्रमसिंह, मानवेन्द्रसिंह, लूणाराम पालीवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे।

आभासी दुनिया की जमीनी हकीकत

एक तरफ सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता और दूसरी ओर कानूनी दांवपेच। उपभोक्ता आखिर कहां जाए। इधर, कंपनियों के पास %यूजर्स% की निजी जानकारी और उधर, इंटरनेट की दुनिया में गलाकाट लड़ाई। जिस तरह सबकुछ %डिजिटल प्लेटफॉर्म% के हवाले होता जा रहा है उसमें जीवन की गाड़ी को सही पटरी पर दौड़ाने के लिए सतर्कता के साथ उपभोक्ता को ही चलना होगा क्योंकि %आभासी दुनिया% को चलाने वाले ज़मीनी हकीकत देखकर आपस में उलझते तो दिखते हैं, लेकिन मुनाफे के मामले में ये सब एक हो जाते हैं। क्या है पूरा खेल, बता रहे हैं

सोशल मीडिया पर जैसे-जैसे हमारी निर्भरता बढ़ती जा रही है, ठीक उसी अनुपात में कई प्रकार की चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। हमारी निजता ख़तरे में पड़ती जा रही है, हमारी व्यक्तिगत जानकारियां सार्वजनिक हो रही हैं। हमारे सामाजिक और पारिवारिक संस्कार प्रभावित हो रहे हैं। मुनाफ़ाख़ोर पेशेवर कंपनियां हमारे निजी आंकड़ों का बिकाऊ और कमाऊ वस्तु के रूप में उपयोग कर रही हैं। दूसरी ओर, सरकार अभिव्यक्ति की खुली आजादी को प्रतिबंधित करने के लिए नित नए नियम-कानून लागू कर रही है। कारण, यह लोकतांत्रिक सुविधा नागरिकों को सवाल उठाने की जो सुविधा देती है, वह किसी भी सत्ताधारी को स्वीकार नहीं है। दुनिया का कोई भी शासक अपनी नीतियों और फैसलों पर असहमति को लोकतान्त्रिक अधिकार नहीं, चुनौती/विरोध मानता है। परस्पर संवाद की असीमित छूट को नियंत्रित करने की कोशिशों के पीछे यही एक मात्र वजह है।

यूरोप से बाहर के देशों में सरकारें सेवा प्रदाता कंपनियों और उपयोक्ताओं दोनों पर पाबंदी का दायरा बढ़ाते रहने के प्रयास करती रहती हैं। भारत में सुप्रीम कोर्ट सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की आजादी को हमारे मूलभूत अधिकारों के तहत मानता है, फिर भी सरकार इस छूट का दायरा लगातार छोटा करती जा रही है। अभी हाल में फ़्रांसिस हौगेन ने फ़ेसबुक के कामकाज की आंतरिक स्थितियों को लेकर जो खुलासे किए हैं, वे चौंकाने वाले तो हैं ही, परेशान भी करते हैं। साथ ही वे दूरगामी खतरों के प्रति भी आगाह करते हैं। हौगेन ने बताया है कि किस प्रकार फ़ेसबुक का प्रबंधन बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को जानते हुए भी उनकी अनदेखी करता और उनको छिपाता है। हालांकि बच्चों पर सोशल मीडिया के कारण पड़ रहे असर में उनका अकेलापन और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं शामिल हैं। हौगेन बताती हैं कि इन तथ्यों को फ़ेसबुक सार्वजनिक नहीं होने देता, छुपाए रखता है। छिपाने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों में नयी-नयी योजनाएं और नए-नए आकर्षण शामिल हैं। उनके अनुसार सोशल मीडिया कम्पनियां अनापशनाप कमाई कर रही हैं, लेकिन उनमें काम करने वाले कर्मचारियों के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अपारदर्शी और गोपनीय बनाए रखी जाती हैं।

दुनिया में इस समय 2.70 अरब से ज्यादा सोशल मीडिया उपभोक्ता हैं। इन तमाम लोगों की निजी जानकारियां उन चार कंपनियों के पास मौजूद हैं जो सेवा प्रदाता हैं। वे इन जानकारियों का बेधड़क उपयोग करती हैं और अपने मुनाफ़े को बढ़ाती रहती हैं। भारत में तो स्थिति और भी सोचनीय है। यहां उपभोक्ताओं को निजी आंकड़ों की सुरक्षा के लिए किसी भी प्रकार का क़ानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं है। सरकार भी इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझती है, जबकि वह सोशल मीडिया पर अ ौ र अधिक कड़े क़ानूनी प्रतिबंधों को लागू करने की तैयारी कर रही है। इंटरनेट पर क़ब्ज़े के लिए दुनिया की दो दिग्गज कंपनियों के बीच चलती आ रही पुरानी लड़ाई एक बार फिर नए रूप में सामने आ गई है। अब इसमें उपयोक्ता की निजता का मामला जुड़ गया है। एक और मुद्दा यह भी है कि इस लड़ाई में एपल ने भी ताल ठोक दी है। पहले यह लड़ाई गूगल और फ़ेसबुक के बीच ही सीमित थी। इसको हम इन्टरनेट के कुरुक्षेत्र में यदि महायुद्ध की संज्ञा दें तो ग़लत नहीं होगा क्योंकि इस मुक़ाबले में एक ओर उपयोक्ता की निजता है तो दूसरी तरफ विज्ञापनों से होने वाली कमाई और तकनीकी संसाधनों पर वर्चस्व का लक्ष्य निशाने पर है। इस महायुद्ध की शुरुआत लगभग दो दशक पहले विज्ञापनों को जुटाने और उनको प्रदर्शित करने के साथ हुई थी। वह इंटरनेट के पांव पसारने का समय था जिससे विज्ञापन उद्योग में एक विचित्र क़िस्म की उथल-पुथल और बेचैनी पैदा हो गई थी। इसका एक नतीजा तो उसी समय सामने आ गया था जब विज्ञापनों का बहुत बड़ा हिस्सा टेलिविज़न चैनलों और अख़बारों से छिन गया था और उस पर सोशल मीडिया सेवा प्रदाता कंपनियों ने क़ब्ज़ा कर लिया था। इसके बाद इसके ज्यादा से ज्यादा हिस्से पर कब्जे के लिए सोशल मीडिया सेवा प्रदाता कंपनियों में जंग लगातार चलती रही है। पहले नेट न्यूट्रेलिटी के नाम से यह लड़ाई लड़ी गई। फिर इस में निजता और उपभोक्ताओं के व्यक्तिगत आंकड़ों की हिफ़ाज़त का मुद्दा भी जोड़ दिया गया। सोशल नेटवर्किंग कंपनियों- फेसबुक, गूगल और ट्विटर ने मुफ्त सेवा की सुविधा देकर एक तरफ तो अपने विज्ञापन को और दूसरी उपयोक्ताओं की संख्या में अनापशनाप बढ़ोतरी कर ली, लेकिन उपयोक्ताओं को इसका बहुत बड़ा नुकसान यह हुआ कि उनके निजी आंकड़े विभिन्न तकनीकी कंपनियों के पास पहुंच गए। इन आंकड़ों (कुकीज) के जरिए लोगों को मार्केटिंग कराई गई और इस प्रकार आमदनी बढ़ाने और अपने मुनाफ़े में जबरदस्त बढ़ोतरी करने का काम किया जाता रहा। धीरे-धीरे यह लगभग 35 अरब डॉलर का कारोबार हो चुका है। इसी बीच इस जंग में एपल के कूद पड़ने के बाद यह मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है। हालांकि असली तकरार तो फ़ेसबुक और गूगल के बीच ही है, लेकिन एपल ने उसको थोड़ा रोचक ज़रूर बना दिया हैॣ अब ये कंपनियां ग्राहकों की निजता को लेकर बड़ा ढोल पीट रही हैं और कह रही हैं कि वे उनकी प्राइवेसी की हर क़ीमत पर रक्षा करेंगी। एपल ने इस निजता की रक्षा के मुद्दे को पूरी मुहिम के केंद्र में ला रखा है। उसने कहा है कि वह अपने फ़ोन में ऐसी व्यवस्था कर रहा है जिससे ग्राहक स्वयं यह तय कर सकेगा कि कौन सा एप उसको इस्तेमाल करना है और कौन सा नहीं करना है। अभी तक स्थिति यह है कि मोबाइल फ़ोनों में एप ज़बरदस्ती घुसकर अपनी जगह बना लेते हैं और ग्राहक को मजबूर करते हैं कि वे उनका इस्तेमाल करें। जब उनका इस्तेमाल होता है तो उनके ज़रिए विज्ञापनों को दिखाने, प्रस्तुत करने का सिलसिला शुरू हो जाता है और इस तरह ग्राहक के समय और ऊर्जा की क़ीमत पर कंपनियां मुनाफ़ा बटोरती हैं। फ़ेसबुक और गूगल दोनों ही रोज़मर्रा की ज़िंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। बेशक ये कम्पनियां हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य बन चुके हैं और हम दिन में कई-कई बार इनकी मदद से सामाजिक और व्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित करते हैं। इतने अधिक उपयोगी होने के बाद स्वाभाविक है कि इन दोनों कम्पनियों में वर्चस्व की होड़ हो, जो दो दशक से भी अधिक समय से चली आ रही है।

... जब सुबह-सुबह चेहरे पर दिखे सूजन

सुबह-सुबह उठते ही कुछ लोगों को अपने चेहरे पर सूजन दिखाई देती है। यह सूजन दो से तीन घंटे तक बनी रहती है जिसकी वजह से कई बार चेहरा भी खराब दिखता है। चेहरे पर सूजन आना शरीर के अंदर पल रहे किसी रोग का संकेत भी हो सकता है। कबीरधाम, छत्तीसगढ़ में जिला नोडल चिकित्सा अधिकारी डॉ शशांक शर्मा बताते हैं कि इस परेशानी की कई वजहें हो सकती हैं। किडनी मनुष्य के शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालती है। यदि शरीर की गंदगी बाहर नहीं निकल पाती है तो ये टॉक्सिन शरीर में ही इक्ट्ठे हो जाते हैं और पूरी रात शरीर में ही रहते हैं। इन टॉक्सिन की वजह से ही सुबह 1 से 2 घंटे तक चेहरे पर भारी सूजन दिखाई दे सकती है। खान-पान लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता है। यदि आप रात को खाने में ज्यादा मीठा या नमक का सेवन करते हैं तो आपके चेहरे के टिशू पानी को जमा कर लेते हैं जिसकी वजह से सुबह-सुबह चेहरा

सूजा हुआ दिख सकता है। महिलाओं में पीरियड्स के दौरान शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन बढ़ जाता है जिसकी वजह से पीएमएस के लक्षणों के साथ ही चेहरा फूला हुआ दिखाई देता है। पीरियड के दौरान ब्लोटिंग होने से भी चेहरे में सूजन हो सकती है। इसके अलावा चेहरे की सूजन का मेडिकल टर्म में एक बड़ा कारण एनीमिया भी माना गया है। एनिमिक लोगों को सुबह आंखों और आसपास के हिस्से में सूजन का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा दांतों की कोई दिक्कत, साइनस की समस्या भी चेहरे पर सूजन का कारण बन सकती है। कबीरधाम, छत्तीसगढ़ में नोडल चिकित्सा अधिकारी डॉ शशांक शर्मा के मुताबिक सबसे पहले आ रही सूजन के सही कारण का पता लगाएं। किडनी का टेस्ट करा लें और पानी भरपूर मात्रा में पिएं। हीमोग्लोबिन टेस्ट भी करा लेना चाहिए जिससे कि यदि एनिमिया की दिक्कत होगी तो पकड़ में आ जाएगी। अपनी डाइट में फाइबर का सेवन करें। पपीता खाना भी बहुत फायदेमंद होता है। पपीता पेट और आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। पपीते के सेवन से शरीर पतला रहता है, साथ ही यह विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन और एंटीऑक्सिडेंट युक्त होता है, जो त्वचा में पानी को जमने से रोकता है। अपने भोजन में ऐसी चीजों का सेवन बढ़ा दें, जो शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी को पूरा करती हैं। जैसे, हरी सब्जियां, अनार, टमाटर, चुकंदर और लाल शिमला मिर्च। दिक्कत बढ़ती हुई लगे तो डॉक्टर से संपर्क करें।

नज़रअंदाज़ न करें मुंह के छालों को

क्या आपने सोचा है कभी कि आपके मुंह में छाले बार-बार क्यों होते हैं? मुंह के छालों को कैंकर सोरज भी कहते हैं। जब भी हम कुछ तेज, गर्म खा-पी लेते हैं तो जीभ, होंठों पर छाले हो जाते हैं। ये छाले मसूड़ों पर, होंठों के अंदरूनी त्वचा पर पाये जाते हैं और ये गालों के अंदर वाली त्वचा पर भी दिखते हैं। कई बार ये छाले खुद ब खुद कुछ दिनों के भीतर ठीक भी हो जाते हैं, जबकि कई बार लंबे समय तक छालों के बने रहने से इनमें से खून निकलने लगता है जिससे ज्यादा तकलीफ बढ़ जाती है। इन छालों से दर्द और जलन के साथ ही खाने-पीने में दिक्कत होती है। कई बार अगर छाले मुंह के आखिरी वाले हिस्से में होते हैं तो खाना निगलने में भी दिक्कत हो सकती है। छाले होने के कई कारण हैं। इनमें ज्यादा एसिडिक या मिर्च मसाले वाला खाना ही एक प्रमुख कारण है। इसके अलावा कई बार खाना खाते समय या बोलते समय आपने अपने मुंह की त्वचा को चबा लिया हो तो भी छाले हो सकते हैं। पाचन तंत्र के खराब होने की वजह से, खाने में विटामिन बी-12, आयरन और जिंक की कमी की वजह से, ज्यादा तनाव लेने से, महिलाओं में मासिक धर्म में हार्मोन के बदलाव के कारण, तम्बाकू, चूना, अल्कोहल के सेवन के कारण कब्ज होने पर, नींद पूरी न होने की वजह से, कम पानी पीने से एवं बैक्टीरियल या फंगल इन्फेक्शन की वजह से भी छाले हो सकते हैं। जो लोग छालों से परेशान रहते हैं, उन्हें अपने आहार में विटामिन-सी का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे लोग संतरे का जूस पीएं। मिर्च मसाले वाले भोजन से परहेज़ करें। ज्यादा मात्रा में पानी पीयें। हरी सब्जियां खायें। कच्चे प्याज का प्रयोग करें। सलाद में टमाटर की मात्रा अधिक लें। गुनगुने पानी में एक चम्मच नमक डाल कर कुल्ला करें। ज्यादा दर्द होने पर छालों पर बर्फ का इस्तेमाल करें। जिन दिनों छाले हों उतने दिनों तक कैप्सूल विटामिन बी 12 का सेवन करें। इसके अलावा छाले होने पर आप एंटी माइक्रोबियल माउथवाश भी ले सकते हैं। जैसे कि विटाडीन माउथवाश या हैक्सिडन माउथवाश। इन माउथवाश का इस्तेमाल 30 सेकंड से लेकर एक मिनट तक करना चाहिए। इन माउथवाश को पीना नहीं चाहिए। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि इन माउथवाश के इस्तेमाल के बाद आधे घंटे तक कुछ भी खाना-पीना नहीं चाहिए। माउथवाश को दिन में दो या तीन बार इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आपको बैक्टीरिया की वजह से या फंगस या हरपीज की वजह से छाले हों तो उसका इलाज कराएं। रोजाना एक मल्टी विटामिन की गोली लीजिए। (जैसे-ए टू जेड), बीको जिंद या सुपराडाइन। इन कैप्सूल को लेने से आपको बार-बार छाले होने से निजात मिलेगी।

भगवद्गीता : जीवन अस्तित्व की संपूर्ण व्याख्या

अस्तित्व के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं को अलग-अलग नहीं किया जा सकता। ये दोनों एक ही वास्तविकता के अविभाज्य एवं अभिन्न अंग हैं। आध्यात्मिकता और नैतिकता का सबसे आधिकारिक स्रोत होने के नाते भगवद?गीता ने मानव जीवन के इन दोनों पक्षों की व्याख्या बड़े ही व्यापक ढंग से की है। एक तरफ यह सारी सृष्टि के पीछे की अपरिवर्तनीय सच्चाई की जांच करती है; और दूसरी तरफ यह भौतिक दुनिया के लगातार बदलते हुए घटनाक्रम से भी संबंधित है।

गीता ने केवल ब्रह्मांड के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि मानव-प्रकृति को बेहतर ढंग से समझने के उद्देश्य से परम सत्य और भौतिक संसार के संबंधों पर गूढ़ विचार किया है। इस तरह की समझ का उपयोग व्यक्तिगत व्यवहार को बेहतर बनाने और इसके परिणामस्वरूप पूरे समाज में समग्र रूप से सुधार लाने के लिए एक साधन के रूप में किया गया है। गीता ने मानव जाति को न केवल वह दर्शन दिया है जो हमें सत्य को जानने की दूरदर्शिता देता है, बल्कि उन तरीकों और साधनों को भी सुझाया है, जिनके द्वारा उस सत्य को महसूस किया जा सकता है। इसने हमें न केवल जीवन के अर्थ और उद्देश्य की सैद्धांतिक व्याख्या प्रदान की है, बल्कि यह भी समझाया है कि उस उद्देश्य को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। इसने असंख्य मानवीय समस्याओं के व्यावहारिक समाधान भी सुझाए हैं। ब्रह्मविद्या के रूप में गीता ने आत्मा, परमात्मा और जीवात्मा की मुक्ति जैसी अनेक आध्यात्मिक अवधारणाओं का गहन अध्ययन किया है। साथ ही योगशास्त्र के रूप में उस मुक्ति को प्राप्त करने के विभिन्न व्यावहारिक तरीकों का वर्णन किया गया है। इस प्रकार भगवद?गीता वास्तविकता को जानने का विज्ञान और उस वास्तविकता के साथ एकता प्राप्त करने की कला, दोनों है।

गीता ने न केवल यह प्रकट किया है कि मनुष्य परमात्मा का एक अभिन्न अंग है, बल्कि विभिन्न तकनीकों को भी निर्धारित किया है जिसके द्वारा वह परमात्मा के साथ अपनी एकता के बारे में सदा जागरूक रह सकता है। गीता में भगवान दूर के दर्शक मात्र नहीं हैं, बल्कि एक निरंतर साथी हैं। वह सखा हैं, एक घनिष्ठ मित्र हैं, जो हर समय हमारे साथ रहता है (श्लोक 11.42)। वह दार्शनिक हैं और मार्गदर्शक भी। ईश्वर और मनुष्य के बीच विचारों का आदान-प्रदान चलता रहता है। संवाद तब तक जारी रहता है जब तक कि मनुष्य का भ्रम नष्ट नहीं हो जाता और सारे संदेह दूर नहीं हो जाते (श्लोक 18.73)। गीता की शिक्षा न केवल व्यक्ति को यह समझने में मदद करती है कि अपनी परिस्थितियों को देखते हुए उसे क्या करना चाहिए, बल्कि वह कार्य करने में उसका मार्गदर्शन भी करती है। ज्ञान, कर्म और भक्ति मार्ग गीता में विभिन्न पथों का वर्णन किया गया है जिन पर चल कर व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त कर सकता है। ये मार्ग हैं ज्ञान मार्ग अर्थात?आत्म ज्ञान का मार्ग, कर्म मार्ग अर्थात?किसी भी प्रकार के बंधन से मुक्त कार्य करने की विधि; और भक्ति मार्ग अर्थात?ईश्वर के प्रति प्रेम और विश्वास का मार्ग। आत्मा की मुक्ति के इन मार्गों को अलग-अलग और सामूहिक रूप से योग के नाम से जाना जाता है। आत्म-साक्षात्कार के ये तीनों मार्ग एक-दूसरे के विपरीत नहीं हैं। ये तो वास्तव में एक-दूसरे के पूरक ही हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी प्रकृति और परिस्थितियों के अनुसार मुक्ति के इन साधनों में से किसी एक या अधिक साधन को चुन सकता है। गीता ने स्पष्ट तौर पर यह घोषणा की है कि सच्चा त्याग संसार से विमुख होने में नहीं, बल्कि लगन और निर्लिप्तता से अपने कर्तव्य का पालन करने में है। भगवान श्रीकृष्ण ने मन की समता पर भी बहुत जोर दिया है। भगवदगीता हमें सिखाती है कि मनुष्य अपने मन के द्वारा स्वयं को जीवन में ऊंचा उठा सकता है या नीचे गिरा सकता है; क्योंकि मन ही किसी का सबसे अच्छा दोस्त या सबसे बड़ा दुश्मन होता है (श्लोक 6.5)। यदि मन को वश में कर लिया जाए तो बाकि सब कुछ अपने आप ठीक हो जाता है।

रामदाना से बनाएं चटपटे व्यंजन

कहते हैं हम हर वक्त कुछ नया सीखते रहते हैं। हाल ही में लंदन से प्रकाशित द गार्जियन के एक लेख में यह जानकारी दी गई कि एमारेंथ जिसे हिंदी में रामदाना कहते हैं, वह हमारी मिट्टी की असल उपज नहीं है। बल्कि इसके बीज लैटिन अमेरिका से दुनिया के बाकी

देशों में फैले। उल्लेखनीय है कि रामदाना के न केवल बीज गुणकारी हैं बल्कि इसके पत्तों को भी विभिन्न व्यंजनों और उनकी सजावट के लिये इस्तेमाल किया जाता है। गांव के मेलों में रामदाना यानी चौआ से बने लड्डू, जिन्हें गुड़ की चाशनी में लपेटकर बनाया जाता है, बच्चों को सस्ती मिठाई के तौर पर मिलते थे। अगर आपने यमुनोत्री की यात्रा का सौभाग्य कभी प्राप्त किया है तो उत्तराखंड के ऊंचाई वाले खरसाली गांव में खेतों में लहलहाते लाल रंग के पौधे भी ज़रूर देखे होंगे, इन्हें वहां चौआ कहा जाता है। यह एमारेंथ का पहाड़ी नाम है। इसका इस्तेमाल न केवल अलग-अलग मेडिसिन में किया जाता है बल्कि इसे पौष्टिकता की खान भी माना जाता है। आमतौर पर इसे गरीबों का भोजन कहा जाता था। लेकिन हाल ही के कुछ सालों में न्यूट्रीशनिस्ट का ध्यान इस पौधे और बीज की तरफ गया तो उन्होंने इसे सुपर फूड की संज्ञा दे डाली है। बात करें रामदाना की उत्पत्ति की तो यह स्वीकार करना थोड़ा सा मुश्किल है कि ऐमारेंथ 15वीं-16वीं शताब्दी में अफ्रीका के रास्ते कोलंबियाई विनिमय के रूप में भारत आया था। इससे पहले कभी भी उन फलों और सब्ज़ियों की सूची में इसका उल्लेख नहीं किया गया है, जिसमें मिर्च, मक्का, आलू, टमाटर, तंबाकू और अमरूद, अनानास, पपीता जैसे फल शामिल हैं।

खैर यह कहीं से भी आया हो हम इसे अपना कहते रहेंगे। हमारे यहां सदियों से यह उपवास के दिनों में इस्तेमाल होता रहा है। इसकी रोटी बनाकर खीर बनाकर खाते रहे हैं। आइये यहां रामदाना के कबाब ट्राई करते हैं.....

रामदाना कबाब

सामग्री-

रामदाना के बीज = 1/2 कप, आलू = (छोटा, उबला और मैश किया हुआ-1, प्याज = (बारीक कटा हुआ)-1 छोटा, लहसुन का पेस्ट = 1/2 छोटा चम्मच, अदरक = (कसा हुआ या कटा हुआ) -1 इंच का टुकड़ा, जीरा पाउडर = 1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च = (कटी हुई) 2-3, चिली फ्लेक्स = 1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च (पिसी हुई) 6-8, नमक = स्वादानुसार, घी अथवा तेल = तलने के लिए

बनाने की विधि -

कबाब के बीजों को दो कप पानी में लगभग 25 मिनट तक उबालें और गैस बंद कर दें। इसके बाद इसे छान कर प्याले में निकाल कर एक तरफ रख दें, ठंडा होने दें। इसमें मैश किया हुआ आलू, पाउडर और पिसे मसाले, लहसुन का पेस्ट और नमक डालें। अब इसे बराबर भागों में बांट लें और नम हथेलियों से छोटे-छोटे गोले बना लें। इसे हाथ से जोर से दबाते हुए बीच में एक गोला बना लें और उसमें बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च, अदरक, धनिया और लाल मिर्च की स्टफिंग कर दें। अब इसे फिर से रोल करें, फिर कबाब जैसी शेप में चपटा करें। फूले हुए रामदाना को एक प्लेट में फैलाएं और उस पर कबाब को एक बार पलटकर दोनों तरफ से कोट कर लें। एक नॉन स्टिक या मोटे तले वाले पैन में घी या तेल गरम करें। कबाब को हल्?का सा भून लें या पैन-ग्रिल करें, स?पैटुला से हल्?के हाथ से चलाते हुए एक बार पलट कर कुरकुरा बनने तक पकाएं। हरी चटनी या सॉस के साथ गरमा-गरम परोसें।

शासकीय प्राथमिक शाला झरगांव तेतलपारा में मुंह मीठा कर मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद जिला मैनपुर विकासखंड अंतर्गत नए शिक्षा सत्र के प्रारंभ होते ही प्रदेश भर में शाला प्रवेशोत्सव के कार्यक्रम हो रहे है,संकुल केंद्र झरगांव सहित संकुल के विभिन्न विद्यालयों में शाला प्रवेशोत्सव के कार्यक्रम मे नये विद्यार्थी विद्यालय परिवार में शामिल हुए।ग्राम पंचायत झरगांव के प्राथमिक शाला में नए शिक्षण सत्र के पहले दिन ही शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। नए विद्यार्थियों सहित सभी छात्र छात्राओं को मिठाई खिलाकर तथा टीका लगाकर अतिथियों ने स्वागत किया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संकुल प्राचार्य श्री अभय कश्यप जी ने कहा की शिक्षा किसी मानव की जीवन का आधार होती है,शिक्षा के बग़ैर जीवन अंधकार मय होता है।आज शिक्षण सत्र का पहला दिन है आज बहुत से बच्चे अपने जीवन

में पहली बार स्कूल में कदम रखेंगे और अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण नए अध्याय का शुभारंभ करेंगे।जो बीते वर्षों से पढ़ाई कर रहे है वे विद्यार्थी गर्मियों की छुट्टियाँ ख़त्म होने के पश्चात नवीन ऊर्जा से शाला आये।हमारे देश में शिक्षा का अधिकार लागू है साथ ही पढ़ाई के लिए विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध है निःशुल्क शिक्षा व्यवस्था के बाद भी काफ़ी बच्चे शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं हमें जागरूकता अभियान चलाकर सभी को विद्यालय आने के लिए प्रेरित करना चाहिए।मैं सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ ज्ञापित करता हूँ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से – नपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मी बाई पटेल, शाला अध्यक्ष द्रोपति नागेश, हेमकांती यादव, जमुना ध्रुवा, अनीता पटेल कमला दुर्गा, महेंद्र नागेश, नागेश्वर पटेल,

प्रधान पाठक देवनारायण ध्रुवा, शाला समन्वयक टेकराम साहू,सुरेश चंद्र टांडील, गोकुल राम बघेल ,गोविंद यादव, चंद्रकांति नागेश, सहित अन्य शिक्षक,पालक गण उपस्थित रहे।

मुड़ागांव सरपंच का मूड नही सफाई अभियान में

संवाददाता हेमचंद नागेश

शासन द्वारा पंचायत में विकास कार्य के लिए लाखों रूपये आबंटन दिया जाता है। लेकिन सरपंच सचिव साफ सफाई ना करवा कर अपनी जेबें भरने में लग गए हैं। पड़ताल के दौरान ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत मुड़ागांव के आश्रित पारा टीप पारा मे देखने मिला जाहां ग्रामीण कीचड़ से लत पथ जगह रहते दिखे। बदबूदार गंदगी कीचड़ का अंबार लगा हुआ है। टीप पारा के ग्रामीणो की भी माने तो इसकी जानकारी काभी दफा सरपंच सचिव को दिया गया परंतु आज तक इतने साल बीत गए सफाई कराना जरूरी नहीं समझा। केंद्र सरकार द्वारा गांव गांव मे स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है बावजूद मुड़ागांव के लापरवाह सरपंच सचिव के नींद नहीं खुल रही है। आपको बता दे सरपंच सचिव सफाई कार्य में जीस तरीकों से ग्रहण लगा कर बैठे हैं जल्द ही ये गंभीर बीमारियों का कारण बनेगा।अधिकारियों के दौरे के अभाव व निष्कृयता के चलते ही ये सब हो रहा है प्रतित होता मेहरबानी मेहरबानी चल रहा है। 14 वीं 15 वीं के राशि को सफाई के आड़ मे राशि डकारना मानो फैशन सा बन गया है और इस फैशन शो के दर्शक जिम्मेदार अधिकारी बने हुए हैं। ग्रामीणों को गंदगी से जिस स्तर मे परेशानी हो रही है अधिकारियों को अपने आरामदायक

सरकारी भवन से निकल कर एक बार जरूर देखना चाहिए तब उन्हें पता चले कि उनके और जनता के बीच के खाई का फासला कितना हो गया है।इस विषय में सरपंच से बात करने की कोशिश की गई किंतु संपर्क नहीं हो सका

भाजपा मंडल गोहरापदर में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने मेरा बूथ सबसे मज़बूत कार्यक्रम में सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायी उद्बोधन

संवाददाता हेमचंद नागेश

गोहरापदर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी आज भोपाल में देशभर के 10 लाख बूथों पर लाखों कार्यकर्ताओं के साथ सबसे बड़ा संवाद किया,जिसमें आज भाजपा मंडल गोहरापदर में मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद कार्यक्रम मे पुर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह मांझी,जिला महामंत्री पुनीतराम सिन्हा,तथा मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी के उपस्थिति में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संवाद कार्यक्रम भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी के निवास में सुना गया।मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा की सशक्त भारत के लिए सशक्त भाजपा का होना भी आवश्यक है क्योंकि भाजपा तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टिकरण पर विश्वास करती है। भाजपा समाज में बंटवारे की नहीं सामाजिक न्याय की दिशा में कार्य करती है।भाजपा की प्राथमिकता - दल से पहले देश है। भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए देशहित सर्वोपरि है।प्रधानमंत्री ने जनता से अपील करते हुए कहा की अगर आपको परिवारवादी पार्टियों के बेटे-बेटियों का भला करना है तो आप उन्हें वोट करें।लेकिन अगर आपको अपने बेटे-बेटियों का भला करना है तो भाजपा को वोट कीजिए।प्रधानमंत्री मोदी ने गारंटी देते हुए कहा की हर एक घोटालेबाज पर कार्यवाही की गारण्टी, हर चोर लुटेरे पर कार्यवाही होगी।ज्ञात हो कि पूरे देश भर के बहुत से बूथों के

कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा भी की.इसमें छत्तीसगढ़ के भी कुछ स्थान शामिल रहे।इस कार्यक्रम में प्रत्येक विधानसभा से अल्पकालिक समयदानी कार्यकर्ता पहुँचे जिसमें भाजपा मंडल गोहरापदर के मंडल महामंत्री तानसिंह माँझी भी अल्पकालिक समयदानी कार्यकर्ता के रूप में शामिल होकर बिंद्रानवागढ़ विधानसभा का गौरव बढ़ाया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पि.व.मोर्चा जिला उपाध्यक्ष केनुराम यादव, पुर्व जनपद उपाध्यक्ष रनिया तिवारी,मंडल अध्यक्ष लम्बोदर साहू,भाजयुमो मंडल अध्यक्ष हेमराज मांझी,मंत्री गुनसागर यादव,महिला मोर्चा महामंत्री विनीता यादव,खेमराज सिन्हा,भुवनेश्वर मांझी,मकरध्वज साहू,ईन्दर मांझी,देवनाथ नागेश,गणेश नागेश,ओमप्रकाश नागेश,पदमन नागेश,तुलसी सेन,कोन्दुराम सिन्हा,बलभद्र नेताम,सुरेश हंसराज,लोकनाथ चक्रधारी,हिरण नागेश,भागीरथी दौरा,सेवकराम पांड़े,ओंकार यादव,बिसीकेतन नायक,धनचंद यादव,अजैन निर्मलकर,फरसुराम यादव,दशरथ निषाद,अरुण सिन्हा,दीपक कश्यप,राजेंद्र यादव,सुरेश यादव,ठमेश्वर मांझी,रोहित नागेश,अर्जुन पोर्टी,वरुण नागेश,खगेश्वर यादव, प्रेमसिंह यादव,दसरुराम पांडे, विजय मांझी,फरसराम कश्यप, रुपचंद नेताम, सुरेन्द्र वैष्णव, महेंद्र नागेश,वैष्टव मांझी,पुरन मरकाम, डोमार कश्यप सहित कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय देवभोग में छात्राओं को मिष्ठान एवं पुस्तक,गणवेश वितरण कर मनाया शाला प्रवेश उत्सव

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग।देवभोग के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम रखा गया। बीईओ देवनाथ बघेल,कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष दुर्गाचरण अवस्थी के मौजूदगी में सभी नवप्रवेशी छात्राओं तिलक लगाकर एवं मिष्ठान खिला शाला प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम में मौजूद सभी अथितियों ने बारी-बारी से नवप्रवेशी बच्चों का मुंह मीठा एवं तिलक लगाकर प्रवेशोत्सव मनाया गया। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी देवनाथ बघेल के मुख्यअतिथ्य में सम्पन्न हुआ।अतिथियों ने नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाया और माला पहनाकर मुह मीठा करवा कर एवं गणवेश,पुस्तक प्रदान कर शाला प्रवेश कराया गया।विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ने ÷स्कुल आ पड़े बर जिनगी ला गड़े बर÷ के वाक्यों से सम्बोधित करते हुये छात्रों को नियमित विद्यालय आने और शिक्षकों को नियमित रूप से पड़ाने व शिक्षा में गुणवत्ता लाने की बात कही।विकासखंड शिक्षा अधिकारी

बघेल ने आशा व्यक्त कर कहा कि सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ, शाला प्रवेशोत्सव को सार्थक बनाते हुए नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ शिक्षा प्रदान करने के लिए के पूरे समर्पण के साथ जुट जाएंगे। शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में मौजूद अन्य अतिथिसंकुल प्राचार्य नेपाल यदु, हायर सेकेंडरी प्राचार्य दयाराम सिन्हा,

संकुल समन्वयक शेषनारायण शुक्ला , शलिल नाग, व्याख्याता के.आर. कश्यप ,एसएमसी अध्यक्ष केजीबिव्ही मालती कश्यप,शान्तनु बाधे रीडर अनुविभागीय कार्यालय राजस्व देवभोग,अधीक्षिका उषा वैष्णव केजीबिव्ही देवभोग ने सभी छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। आयोजन में कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय के शिक्षिका मनीषा नाग, रमा पांडेय,आरती मिंज,ऋृतंभरा पात्र, चाँदनी पात्र समेत पालकगण सुंदर,टंकधर, खिरसिंदुर,त्रिलोचन हरपाल,ओकार हरपाल,जादबो यादव, भूतेश्वर,सुरेश, भागीरथी,अनुपकुमार ध्रुव,भजन ध्रुव, धनुर्जय,जंगबंधु यादव, लोबोरम,शंकर, रणचन,मोहनलाल, कृष्णा,तिलचंद, खिरसिंग,कुरसीराम, प्रेमलाल,श्यामसुंदर, देवीसिंग,गंगाराम, डिंगरराम,डिगेश्वर मौजूद रहें।

मनरेगा में फर्जी हाजरी भरकर परिवार को लाभ पहुंचा रहे रोजगार सहायक, सरपंच, सचिव पर युवाओं ने किया कलेक्टर से शिकायत

संवाददाता हेमचंद नागेश

ग्राम पंचायत चिखली में मनरेगा के तहत वर्ष 2023 में हुए भूमिसुधार, डबरीनिर्माण, अमृत सरोवर तालाब निर्माण आदि कार्यों पर सरपंच कुंतुला देवी, रोजगार सहायिका जयकला बघेल एवं सचिव श्याम कश्यप के मिलीभगत से फर्जी मस्टर रोल भरकर अपने परिवार के सदस्यों का फर्जी हाजरी डालकर सरकार की महत्वकांक्षी योजना मनरेगा को अपनी मनमानी चलाकर सरकार की योजना को अवहेलना करने की शिकायत ग्राम पंचायत चिखली के युवाओं ने कलेक्टर गरियाबंद, जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी गरियाबंद, जनपद पंचायत मुख्यकार्यपालन अधिकारी मैनपुर एवं कार्यक्रम अधिकारी मैनपुर को शिकायत किया है द्य युवाओं ने ये फर्जी हजारी मनरेगा के वेबसाइट पर देखा की जिस कार्यों पर मजदूर नहीं लगी थी उसी कार्यों पर सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक ने मिलकर अपने अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर फर्जी हाजरी भरे हैं तब ग्राम युवाओं परमानंद जगत, नेहरू मांझी, अनिल जगत, टिकेश्वर यादव, दुर्बल मांझी, राजेश जगत, कमलेश प्रधान, खिरसिंदुर मांझी, पुष्पेश्वर ध्रुव, सदनराम, गोविंद, रोहित जगत, चुम्मन यादव ने कदम उठाया और यह शिकायत कलेक्टर को किया है द्य

दिनेश श्रीवास्तव
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मौ जिला भिण्ड

कार्यालय नगर परिषद मौ जिला भिण्ड (म. प्र.) (म.प्र.)

क्रमांक -422 मौ, दिनांक-22.06.2023

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि निकाय द्वारा वार्ड क्र. 03 में रामरतन के मकान से अजमेर सिंह के मकान तक सीसी एवं नाली निर्माण कार्य की ऑनलाईन निविदा टेण्डर क्रमांक 2023_UAD_286691-1, वार्ड क्र. 03 में मोतीराम के मकान से मेवाराम के घर के पीछे तक सीसी एवं नाली निर्माण कार्य की ऑनलाईन निविदा टेण्डर क्रमांक 2023UAD286691-2, ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की गई है। निविदा आमंत्रण नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के 02 अगस्त 2021 से प्रभावी IssR(भवन, रोड एवं पेयजल) पर आज दिनांक तक संसोधन सहित निविदा प्रपत्र अपेन्डिक्स 2.10 प्रतिशत दरों के आधार पर किया गया है। उक्त कार्य हेतु दिनांक 10.07.2023 सायंकाल 05¬30 बजे तक क्रय एवं ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है निविदा से संबंधित समस्त (विस्तृत) जानकारी ऑनलाईन w.ww.MPtenders.gov.in 222.पर एवं कार्यालयीन समय में कार्यालय में उपस्थित होकर ली जा सकती है। निविदा में समस्त दस्तावेज ऑनलाईन ही मान्य किये जावेगें ।

वंदना - सज्जन सिंह यादव
अध्यक्ष
नगर परिषद मौ जिला भिण्ड

दिनेश श्रीवास्तव
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मौ जिला भिण्ड

ग्राम पंचायत पुरेना रंधीर में पीने के पानी की किल्लत

नल जल योजना का कार्य अभी भी अधूरा

बनखेड़ी-- जिला नर्मदापुरम तहसील बनखेड़ी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पुरेना रंधीर में लोगों को पीने के पानी की बढ़ी समस्या सामने आ रही है! ग्राम पुरेना रंधीर में मात्र 4 हेंडपंम है जिनमें से एक हेंडपंम स्कूल का है जो बाउंडरी से घिरा है तथा दो नल गाँव के दोनों छोरों पर है और एक हेंडपंम बंद हैं, दो हेंडपंम जो गाँव के दोनों अलग-अलग दिशा में है जो दूरी के कारण महिलाओं को पानी लाने में परेशानी का सामना करना पढता है!और शासन द्वारा चलाई जा रही नल जल योजना के लाभ पाने के लिए आज भी ग्रामीण इंतजार में है यह सोच कर की नल जल योजना के शुरू होने पर गाँव में पानी की समस्या खत्म हो जायेगी! पर अभी तक कुछ अता पता नहीं! घर घर नल पाईपलाइन गडा दी है पर पानी कब आयेगा कुछ पता नहीं है! शासन के सक्त निर्देश के बाद भी नल जल योजना के कार्य में लेट लतीफी क्यों! ठेकेदार से बात की तो विधुत समस्या बताकर 4 से 5 दिन में कार्य पूर्ण करने की बात कही पर आज दिनांक तक नल जल योजना सुचारू नहीं हुई! साथ में पाईपलाइन डालते समय जो सीमेंट रोड़ खोदकर लाईन डाली है वह भी अस्त व्यस्त है बरसात में ग्राम के लोगों को आने जाने में यह भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है! और यही समस्या ग्राम पंचायत पुरेना रंधीर के आसपास के गांवों में भी है सभी जगह नल जल योजना का कार्य बड़े ही सुस्त तरीके से चल रहा है! सभी ग्राम पंचायतों में हर जगह पाईपलाइन गडा दी गई है पानी कब आयेगा कुछ पता नहीं! इसी समस्या को लेकर कलेक्टर महोदय नर्मदापुरम से संपर्क करना चाहा लेकिन फोन नहीं उठाया!

करैरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 23 मैं खंगार क्षत्रिय समाज बंधुओं की एकता के बीच श्रीमंत महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया उपस्थित रहे

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

क्षत्रिय खंगार समाज का कार्यक्रम बहुत ही सुंदर का य र्क्र म सफलतापूर्वक समाप्त हुआ ऊषा परिहार करेरा जी का बहुत ही सहयोग रहा इस कार्यक्रम सभी छत्रिय खंगार समाज बंधुओं में एकत्रित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया *भारतीय जनता पार्टी एससी मोर्चा जिला मंत्री उषा

देवीसिंह परिहार खंगार क्षत्रिय परिहार समाज की महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पंजाब परिहार पेट्रोल पंप इंडियन डायरेक्टर सिया राम परिहार अजमेर परिहार पूर्व सरपंच लालपुर महेश परिहार गणेश खेड़ा जिला अध्यक्ष खंगार समाज का नीतू परिहार वीरेंद्र परिहार रामनगर विजय परिहार मंडल अध्यक्ष एससी मोर्चा से सभी परिहार बंधु उपस्थित रहे

शिवपुरी यूथ फोरम द्वारा आयोजित किया गया कला प्रदर्शनी में युवाओं को विशेष महत्व दिया गया

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी यूथ फोरम ने हाल ही में एक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया है जिसमें युवाओं को एक मंच प्रदान करके उनकी कला को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। यह आयोजन शिवपुरी क्षेत्र के युवा समुदाय के बीच महत्वपूर्ण रहा और युवाओं ने इसे बड़े ही उत्साह के साथ स्वागत किया है।शिवपुरी यूथ फोरम का उद्देश्य युवाओं के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को प्रोत्साहित करना है। इसलिए, उन्होंने इस कला प्रदर्शनी का आयोजन किया ताकि युवा कलाकारों को अपनी कला को साझा करने और उनकी सामरिक और रचनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक मंच मिला यह कला प्रदर्शनी शिवपुरी यूथ फोरम के सदस्यों द्वारा व्यवस्थित की गई है और इसमें विभिन्न कला फॉर्मेट्स जैसे पेंटिंग, स्केचिंग, फोटोग्राफी, मूर्तिकला, कला-शिल्प आदि को प्रदर्शित किया जा रहा है। युवाओं ने इस प्रदर्शनी में अपने अद्वितीय और उत्कृष्ट कार्यों की प्रदर्शनी की है, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।कला प्रदर्शनी के दौरान शिवपुरी

के कई जवान कलाकारों ने अपने कला के माध्यम से विभिन्न मुद्दों पर संदेश पहुंचाया है। यह प्रदर्शनी न केवल उनके रचनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करती है, बल्कि साथ ही सामाजिक मुद्दों पर भी जोर देने का एक मंच प्रदान करती है।शिवपुरी यूथ फोरम ने इस कला प्रदर्शनी के बारे में व्याख्यान दिया और युवाओं को उनके सराहनीय प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, ÷युवाओं की कला दुनिया में अद्वितीयता और नवीनता लाती है। इस कला प्रदर्शनी ने शिवपुरी के युवा समुदाय को एक अवसर प्रदान किया जहाँ आप अपनी सोच, संवेदनशीलता और रचनात्मकता को व्यक्त करेंइस कला प्रदर्शनी में दर्शकों का उत्साह भी देखा गया, जहां स्थानीय लोग और यात्री इसे देखने के लिए उमड़ पड़े। यह प्रदर्शनी एक सफलता साबित हुई है और अब से नया पर्व वर्ष के दौरान शिवपुरी यूथ फोरम इसके आयोजन का निर्णय लिया है।युवाओं ने इस कला प्रदर्शनी के माध्यम से अपनी प्रतिभा को प्रकट किया है और इस सामाजिक मंच के माध्यम से अपने संदेश को बड़े पैमाने पर पहुंचाने का संकल्प जताया है। शिवपुरी यूथ फोरम द्वारा यह कला प्रदर्शनी आयोजित की गई एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जो युवाओं की उद्यमिता, कला प्रेम और सामाजिक संघर्षों की प्रशंसा करता है।

मैने अपने कर्मचारी को बनाया नगर पालिका अध्यक्ष-राकेश गुप्ता

मुझे ज्योतिरादित्य सिंधिया ने टिकिट दिया और जनता ने बनाया अध्यक्ष-मुन्ना लाल कुशवाह

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- आने बाले विधानसभा चुनाव से पहले ही शिवपुरी विधानसभा की राजनीति मैं रोज नए बबाल देखने को मिल रहे है अभी हाल ही मैं भाजपा से कांग्रेस मैं भोपाल जाकर कमलनाथ के सामने शामिल हुए राकेश गुप्ता ने अपने भाषण में कहा कि मैंने अपने कर्मचारी को उस समय नगर पालिका अध्यक्ष बनाया जब प्रदेश में एक भी सीट कांग्रेस की नहीं आ रही तब मैंने अपने पूरी दम लगा कर अपनी शिवपुरी नगर पालिका में कांग्रेस की सीट लाकर नगर पालिका का अध्यक्ष अपने कर्मचारी को बनाया जिस पर पलटवार करते हुए आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मुन्ना लाल कुशवाहा ने सफाई पेश करते हुए कहा कि मुझे हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए राकेश गुप्ता ने नगर पालिका अध्यक्ष नहीं बनाया मुझे तो अपने महाराज साहब ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने टिकट दिया और शिवपुरी शहर की जनता ने मुझे वोट देकर नगर पालिका अध्यक्ष बनाया राकेश गुप्ता ने जो बयान दिए हैं उससे पूरे कुशवाह समाज के लोगो मैं रोष हैं आगे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मुन्ना लाल कुशवाह ने बताया कि मेरे कार्यकाल मैं जितने भी विकास कार्य हुए है सभी महाराज साहब के आशीर्वाद से हुए चाहे वह म?ीखे?ा से पानी लाने का कार्य या शहर की रोडो का विकास हो सभी कार्य महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया के आशीर्वाद से हुए हैं और मैं आज भी उन्ही का सच्चा सिपाही हु

कौन किस के दवाब मैं दे रहा बयान-राकेश गुप्ता के दिए गए बयान को पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मुन्ना लाल कुशवाहा ने बताया कि वह कमलनाथ के दबाव में आकर बयान दे रहे हैं वही मुन्ना लाल कुशवाह ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उनके पास भाजपा जिला अध्यक्ष राजू बाथम बैठे हुए थे अब देखना है मुन्ना लाल कुशवाहा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं या राकेश गुप्ता दबाव में अपने बयान दे रहे हैं

वनरक्षक बीट गार्ड की मनमानी से प्लांटेशन खत्म

वनरक्षक बीट गार्ड की सरेआम मनमानी प्लांटेशन खत्म करता हुआ

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

रन्नौद ।आपको बता दें शासन द्वारा कितना पैसा आता है जो पेड़ पौधे लगाए जाते हैं उनकी देखरेख के लिए आज वही देखने के लिए मिला है जिसमें कई पौधे नष्ट कर दिए गए काट लिए गए हैं बीट प्रभारी राजकुमार माहोर द्वारा लापरवाही बरतने से पौधों को नष्ट हुए वहीं पास में एक और प्लांटेशन को देखने को मिला कि जिस की बाउंड्री की लंबाई 5 फुट होना चाहिए लेकिन 3 फुट मिली और जिसकी चौड़ाई 1 मीटर होनी थी उसकी 1 फुट चौड़ाई है मिली जानकारी के अनुसार बीट प्रभारी की बहुत बड़ी लापरवाही देखने को मिल रही है बताया जाता

है बीट प्रभारी इसी तरह काम की लापरवाही करते नजर आ रहे हैं देखना होता है बीट प्रभारी के ऊपर कार्रवाई होती है अथवा नहीं होती है शासन का पैसा शासन के काम नहीं आया तो फिर कब काम आएगा इसी तरह रेंज विभाग का नमूना देखने को सामने आया है जिसमें बीट प्रभारी की घोर लापरवाही सामने नजर आ रही है जिसमें प्लांटेशन एक और नया तैयार हो रहा है उसमें दूसरा प्लांटेशन के पत्थर उठाकर इस नए में लगा दिए जा रहे हैं और इसी तरह जो प्लांटेशन नया चल रहा है उसको जमीनी मिट्टी खोदकर उसी के ऊपर बाउंड्री बनाई जा रहा है जिसमें बरसात नजदीक आ रही है जैसे ही बरसात होगी वह गिर जाएगा इसी क्रम में

पुलिस थाना पिछोर जिला शिवपुरी ने ग्राम कछौआ में दो भाइयों व उनकी पत्नियों में हुए झगड़ा व मारपीट के प्रकरणों में कराया समझौता समाधान योजना के अंतर्गत कराया गया राजीनामा

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर। पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश कुमार सिंह भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया व एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के निर्देशन में छोटे-छोटे पारिवारिक विवादों में समझौता कराने का समाधान योजना के अंतर्गत अभियान चल रहा है इसी तारतम्य में थाना पिछोर टीआई गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना पिछोर की टीम ने ग्राम कछौआ के दो भाई दयाराम जाटव व उसकी पत्नी भारती व कमलेश जाटव व उसकी पत्नी रचना के विवाद में कराया समझौता । दिनांक 25/6/23 को दयाराम जाटव व उसकी पत्नी भारती जाटव व उसके भाई कमलेश व उसकी पत्नी रचना के मध्य बच्चों के झगड़ा को लेकर मारपीट व झगड़ा हो गया था जिस पर से दयाराम जाटव व उसकी पत्नी भारती ने अपने बड़े भाई कमलेश उसकी पत्नी रचना के विरुद्ध थाना पिछोर में रिपोर्ट की थी। थाना पिछोर में अदम चेक क्रमांक 259/23 धारा 323 ,504 आईपीसी पंजीबद्ध की । कमलेश जाटव व उसकी पत्नी की रचना ने भी दयाराम व उसकी पत्नी भारती के विरुद्ध मारपीट व झगड़ा करने की रिपोर्ट थाना पिछोर में की थी ।पुलिस थाना पिछोर में दोनों पक्षों को समझा कर दोनों भाई उनकी पत्नियों के मध्य समझौता कराया एवं दोनों भाइयों व उनकी पत्नियों ने भविष्य में झगड़ा न करने का वादा किया । पुलिस थाना पिछोर द्वारा समाधान योजना के अंतर्गत समझौता कराया है । समझौता कराने में पुलिस थाना पिछोर की टीम में एसआई विनोद भार्गव, एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान , प्रधान आरक्षक संतोष यादव हिमांशु चतुर्वेदी आरक्षक बृजराज सिंह व आरक्षक कमल सिंह मांझी की मुख्य भूमिका रही।

पुलिस थाना पिछोर जिला शिवपुरी ने नाबालिग नकबजन को गिरफ्तार कर करीब दो लाख रुपए की कीमत के सोने चांदी के जेवरात बरामद किए

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर,। पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश कुमार सिंह भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया , एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के निर्देशन में व थाना पिछोर टीआई गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना पिछोर की टीम ने मुखबिर की सूचना पर नाबालिग नकबजन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए एक सोने का हार ,सोने की चैन ,सोने की अंगूठी, चांदी की चूड़ियां व चांदी के सिक्के व चांदी की गाय कीमती 2,00, 000 रुपये बरामद की । चोर ने यह माल दिनांक 9/5/23 को राजघाट कॉलोनी पिछोर निवासी राकेश परमार के घर से चोरी की थी। पुलिस थाना पिछोर की टीम में एसआई विनोद भार्गव, एएसआई नरेंद्र यादव, एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान, आरक्षक बृजराज सिंह ,आरक्षक कमल सिंह मांझी की मुख्य भूमिका रही।

पुलिस थाना पिछोर की नाईट गश्त टीम ने कराया वर वधू का विवाह संपन्न

कल देर रात लक्ष्मी मैरिज गार्डन पिछोर में था विवाह

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर,। दिनांक 27/6/23को लक्ष्मी मैरिज गार्डन पिछोर में मनोज पुत्र वृंदा जाटव निवासी सेमरी व सीमा पुत्री रामदास जाटव निवासी नया चौराहा का विवाह कार्यक्रम था ।विवाह कार्यक्रम में देर रात वर-वधू पक्ष के कई लोग शराब पीकर आपस में झगड़ा कर मारपीट करने लगे और एक दूसरे की जान के दुश्मन बन गए जिसकी सूचना रात्रि गश्त में पुलिस थाना पिछोर की मोबाइल टीम इंचार्ज एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान को लगी तब पुलिस थाना पिछोर की मोबाइल टीम ने तत्काल रात में करीब 1:30 बजे लक्ष्मी मैरिज गार्डन पिछोर में पहुंचकर वर व वधू पक्ष के शराबी कई सदस्यों को समझाया व बीच-बचाव किया जिससे एक बड़ी घटना होने से टल गई इसके बाद वधू सीमा के परिवार जन ने शादी करने से इनकार कर दिया जिस पर से थाना पिछोर की मोबाइल पार्टी ने सीमा के पिता रामदास जाटव व वर मनोज के पिता वृंदा को को थाना पिछोर में लाकर समझाया तब दोनों पक्ष विवाह करने पर सहमत हुए इसके बाद पुलिस थाना पिछोर की टीम ने अपने सामने जयमाला व अन्य प्रोग्राम संपन्न कराया ताकि कोई शराबी व्यक्ति विवाह कार्यक्रम में उपद्रव नहीं कर सके। पिछोर थाना रात्रि गश्त मोबाइल पार्टी में एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक बृजेश भार्गव, सैनिक हरी राम व नगर रक्षा समिति सदस्य नरेंद्र परिहार शामिल रहे।

आदिवासी समाज हरदुआ के मुआवजे की मांग को लेकर मनु मिश्रा ने ज्ञापन सौपा

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। ग्राम पंचायत राजा पटना विधानसभा दमोह के हरिद्वार ग्राम के आदिवासी समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट में अपने मकान की राशि को लेकर एक ज्ञापन सौपा।जिसमें उन्होंने बताया गया है कि सतधरु डेम निर्माण के समय आदिवासी वर्ग समुदाय के लगभग 90 परिवारों जो वहां पर रह रहे थे, उन्हें आश्वासन दिया गया कि वहां निर्माण हो रहे जगह से अपने मकान हटा ले, उन्हें 60म60 का पट्टा वा मकान निर्माण के लिए 2,86000 की राशि प्रदान की जाएगी।परंतु आज दिनांक तक उन्हें मकान निर्माण की राशि नहीं दी गई, बरसात का

मौसम होने से वह कच्चे बरसाती के मकान में रह रहे हैं, जहां पर सांप बिच्छू निकलने से बच्चों को भी खतरा है इसके पूर्व भी दो ज्ञापन दिए हैं परन्तु उसका कोई हल नहीं निकला लेकिन इस ज्ञापन के बाद उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया तो आगामी समय में इन्हें मजबूर होकर आंदोलन करना पड़ेगा। इस दौरान ग्रामीणों के साथ जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष पं मनु मिश्रा, ग्रामीण इमलिया के अध्यक्ष अमर सिंह लोधी,आदिवासी समाज के नन्हे भाई,पूरन सिंह,उत्तम सिंह,हल्के सिंह,सुमत भाई,इंद्राणी आदिवासी,गुलजार, परसू एवं आदिवासी समाज समस्त ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

न्यायालय पिछोर जिला शिवपुरी ने शराब पीकर टीवीएस मोपेड चलाने वाले चालक पर किया 17,500 रुपये का जुर्माना

व मोपेड मालिक ने बिना ड्राइविंग लाइसेंस के चालक को दी थी मोपेड चलाने को जिस पर मोपेड मालिक पर किया

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर। 5,000रुपये का जुर्माना।दिनांक 1/6/23को पुलिस थाना पिछोर की रात्रि गस्त पार्टी ने कॉलेज चौराहा पर राम कुमार लोधी निवासी कुटावली को टीवीएस मोपेड को तेज गति से, खतरनाक ढंग से व शराब पीकर चलाता पाया गया एवं उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था टीवीएस मोपेड की नंबर प्लेट पर नंबर भी नहीं था जबकि टीवीएस मोपेड का नंबरस्क्ष्33ंक्र7908 था। देवीलाल विश्वकर्मा निवासी कुटावली ने मोपेड को रामकुमार लोधी को चलाने को दी जबकि रामकुमार लोधी के पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था। चालक रामकुमार लोधी के विरुद्ध धारा 183, 184, 185,3/181,77/177 एमव्ही एक्ट की व मोपेड मालिक देवी लाल विश्वकर्मा के विरुद्ध 5/ 180 एमव्ही एक्ट की चालान की कार्यवाही की। न्यायालय पिछोर श्रीमान जेएमएफसी अमनदीप सिंह छावड़ा ने रामकुमार लोधी पर 17,500 रुपये व देवीलाल विश्वकर्मा पर ?5,000 रुपये का जुर्माना किया । पुलिस थाना पिछोर टीम में एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान , आरक्षक प्रदीप कौरव , राघवेंद्र पाल ,नगर रक्षा समिति सदस्य नरेंद्र लोधी शामिल रहे।

देवेंद्रनगर में प्राइवेट एम्बुलेंस सर्विस सुरु, बीएमओ डा.अभिषेक जैन ने फीता काटकर किया शुभारंभ

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

देवेंद्रनगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में बीते कई वर्षो से मरीजों के रेफर के लिए 108 एम्बुलेंस पर निर्भरता की वजह से आकस्मिक दुर्घटना में स्थानीय एम्बुलेंस की जरूरत काफी दिनों से महसूस की जा रही थी,राज प्राइवेट एम्बुलेंस सर्विसेज ने सर्वसुविधा युक्त एम्बुलेंस उपलब्ध कराई है,जिसमे ऑक्सीजन सिलेंडर,मेडिकल किट,मरीज के लेटने के लिए उपयुक्त बेड सहित अन्य सुविधाएं दी गई है।आज देवेंद्र नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉक्टर अभिषेक जैन द्वारा फीता काटकर प्राइवेट एम्बुलेंस का सुभारंभ किया गया।उन्होंने बताया की बढ़ते एक्सीडेंट केसेस को देखते हुए प्राइवेट एम्बुलेंस की बहुत जरूरत थी सर्वसुविधा युक्त एम्बुलेंस से जरूर आकस्मिक दुर्घटनाओं में हॉस्पिटल न पहुंच पाने की स्थिति में होने वाली मौतों पर कमी आयेगी।

नशा निवारण दिवस पर दिलाई शपथ

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

दमोह। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर नवांकुर संस्था बुंदेलखंड नवनिर्माण संगठन एवं युवा जन कल्याण समिति द्वारा लक्ष्मण कुटी सेक्टर अंतर्गत ग्रामों में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई एवं नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी। निर्मल राठौर ने बताया कि नशा एक बीमारी है इससे कई परिवार प्रभावित हैं और परिवार टूटने का कारण भी बनते हैं इसलिए इस बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए हम सभी को संकल्पित होना होगा जिससे हमारा देश नशा मुक्त हो सके इस अवसर पर निर्मल राठौर अंकित बसेड़िया पुष्पेंद्र पटेल राहुल खरे एवं ग्राम वासियों की उपस्थिति रही

छोटे बालक की शिकायत को सुन जबेरा विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया

पुष्पांजली टुडे

दमोह/जबेरा।विधानसभा जबेरा से विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी जनपद तेंदूखेड़ा के ग्राम मगदूपुरा में जनसंपर्क करने पहुंचे जहां जनसंपर्क के दौरान छोटे से बालक शिवम साहू पिता प्रीतम साहू के द्वारा जबेरा विधायक के पास पहुंच कर मीठे शब्दों में सीसी रोड को लेकर बात कही इस दौरान विधायक ने बड़ी प्रसन्नता मन से छोटे से बालक की बात सुनी और तुरंत ही निराकरण हेतु अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से निर्देशित किया।इस दौरान छोटे बालक के द्वारा कार्यस्थल को देखने के लिए विधायक से अनुरोध किया तो उसकी बात को मानते हुए जबेरा विधायक उसकी उंगली पकड़कर कार्यस्थल को देखने पहुंचे छोटे से बालक मनमोहक बातों से जबेरा विधायक उसके परिजनों से मिलने उसके घर पहुंचे।जबेरा विधायक ने परिजनों से कहा कि आपका बेटा बहुत ही प्रतिभाशाली है जिसने गांव में हो रही परेशानी के बारे में मुझे जानकारी दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम

पुष्पांजली टुडे

दमोह। शक्ति केंद्र 6 नया 2 मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा भोपाल से हम सभी कार्यकर्ताओ ने सुना। जिसमे नगर उपाध्यक्ष मनीष असाटी ने बताया आदरणीय नरेंद्र मोदी ने विस्तार से बूथ कार्यकर्ताओ को बताया बूथ जिता चुनाव के मंत्र पर कार्य करने की सभी से आह्वान किया। इस अवसर पर नगर उपाध्यक्ष शक्तिकेंद्र प्रभारी मनीष असाटी, वरिष्ठ नेता श्याम बिहारी जडिया, महेश रैकवार, नगर कार्यसमिति सदस्य प्रभा नामदेव, वार्ड अध्यक्ष महेन्द्र सोनी, वार्ड महामंत्री रामगोपाल राठौर, बूथअध्यक्ष दीपक बाबी रैकवार, सुप्रिया रैकवार सहित सभी कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही।

थिएटर की अहमियत महसूस कराना जरूरी

देश में रंगमंच कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है। दर्शकों की कमी के साथ संसाधनों की भी किल्लत है। चंद राज्यों को छोड़ दें तो ज्यादातर में लोगों में टिकट न लेकर थिएटर देखने की सोच है। वहीं सरकारों से मदद भी नहीं मिलती है। समस्या प्रशिक्षित कलाकारों के इस माध्यम में टिकने की भी है। थिएटर से जुड़े मुद्दों पर एनएसडी के निदेशक प्रो. रमेश चंद्र गौड़ से रेणु खंतवाल की बातचीत।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय एक ऐसी संस्था है जिसने देश को ओम शिवपुरी, ओम पुरी, नसीरुद्दीन शाह, राज बब्बर, अनु कपूर, पंकज कपूर, रघुवीर यादव, सतीश कौशिक, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, तिग्मांशु धुलिया, पंकज त्रिपाठी, आशुतोष राणा व हिमानी शिवपुरी जैसे कई बड़े-बड़े अभिनेता-अभिनेत्री दिए हैं। तो वहीं रामगोपाल बजाज, देवेंद्रराज अंकुर, अमिताभ श्रीवास्तव, एमके रैना, रतन थियाम, वामन केंद्रे जैसे समर्पित रंगकर्मी भी दिए। इस साल संपन्न हुआ भारत रंग महोत्सव रंगमंच प्रेमियों में फिर उत्साह भर गया। रंगमंच की वर्तमान स्थिति और एनएसडी की भावी योजनाओं को लेकर इसके निदेशक प्रो. रमेश चंद्र गौड़ से बातचीत। कुछ चीज़ें जो हर तरफ दिखाई दीं वो ये कि रंगमंच को प्यार करने वाले हर जगह हैं। लेकिन कुछ एरिया छोड़ दें तो टिकट लेकर थिएटर देखने वालों की अभी कमी है। दूसरी बात यह कि राज्य सरकारों से रंगमंच को सपोर्ट मिलती नज़र नहीं आती। सबको उम्मीद रहती है कि या तो एनएसडी करेगा या फिर संस्कृति मंत्रालय। इस सोच में बदलाव की जरूरत है। वहीं रंगमंच के लिए बेसिक संसाधनों की कमी पूरे भारत में है। ऑडिटोरियम या नाट्यशालाएं बहुत कम हैं। थिएटर की ट्रेनिंग की भी कमी है। एनएसडी से हर साल 26 स्टूडेंट निकलते हैं जोकि बहुत कम हैं। वहीं बाकी संस्थानों से जो बच्चे निकलते हैं उनकी ट्रेनिंग में सुधार की जरूरत है। जिन दस राज्यों में इस दौरान गया वहां लगभग सभी रंगकर्मियों की मांग थी कि जगह-जगह एनएसडी या एनएसडी सेंटर खुलने चाहिए। इसको लेकर बड़ी थिएटर पॉलिसी की जरूरत है। उसमें भी हमें एनएसडी सेंटर की नहीं बल्कि एनएसडी की जरूरत है। एक ज़ोन में एक एनएसडी तो होना ही चाहिए। उससे हर ज़ोन के बच्चे कवर हो जाएंगे। सबको दिल्ली आने की जरूरत नहीं होगी। सबसे बड़ी वजह है क्वालिटी थिएटर। मराठी रंगमंच की खासियत है कि वहां नवीनता बहुत है। लोग थिएटर में प्रयोग करते हैं। वहां बड़े से बड़ा थिएटर और फिल्म स्टार भी थिएटर करना चाहता है। जब लोग अपने फेवरेट फिल्म स्टार को थिएटर करते देखते हैं तो वे पैसे खर्च करने को तैयार हो जाते हैं। इसलिए वहां हाउसफुल रहते हैं। अभी हमने 'अंधायुग' नाटक किया जिसे एनएसडी के पूर्व निदेशक प्रो. रामगोपाल बजाज ने निर्देशित किया था। हमने टिकट रखी थीं, लोगों ने खरीदीं, शो हाउसफुल रहा। हमने अतिरिक्त शो भी किए। अच्छा नाटक खेला जाएगा तो वह सफल होगा। सबसे पहले तो थिएटर बनाने होंगे। ऑडिटोरियम के रेट ऐसे हों जो छोटे थिएटर ग्रुप्स भी अफोर्ड कर सकें। नए नाटकों की भी जरूरत है और थिएटर में प्रयोग की भी, नवीनता की चाहिये। अच्छी ट्रेनिंग की जरूरत है। राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों की कल्चर को थिएटर के माध्यम से प्रमोट करें। राज्यों में ऑडिटोरियम बनाने चाहिए। केंद्र से मदद की उम्मीद कि जब पैसा आएगा तब कोई कार्यक्रम होगा- यह

तब्बू का सिनेमा

अभिनेत्री तब्बू इधर नीरज पांडे की फिल्म %औरों में कहां दम था% की शूटिंग कर रहीं है। हमेशा की तरह पिछले दिनों भी उनकी कुछेक अंट-शट फिल्मों को दर्शकों ने खारिज कर दिया। पर इससे तब्बू की ऊंचाई प्रभावित नहीं होती है। असल में वह सिनेमा का कोइ क्लासिफिकेशन नहीं करती हैं। उनके मुताबिक, %ए फिल्म इज इदर ए गुड फिल्म ओर ए बैड फिल्म.....अलग टाइप की फिल्में क्या होती हैं,मुझे नहीं पता। बस फिल्में करते समय मेरे साथ कुछ फैक्टर्स काम करते हैं। वह सब फुलफिल होने पर ही मैं वह फिल्म करती हूं।

पानी और पलायन पर कैमरे की नज़र

अब तक आमतौर पर उत्तराखंड में जो भी फिल्में बनी हैं वे पर्वतीय समाज की सांस्कृतिक आकांक्षाओं और प्रवास के चलते पीछे छूट गये आत्मीय अहसासों के आसपास ही केंद्रित रही हैं। खासकर राज्य से बाहर रह रहे लाखों प्रवासियों के भावनात्मक अहसासों के आसपास ही रही हैं। इन फिल्मों में विषयवस्तु का लगातार दोहराव भी महसूस किया गया है। लेकिन पिछले दो सालों में राज्य को सिनेमा निर्माण के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिली है। पहली बार दो लांग शॉट फिल्मों 'सुनपट' और 'पाताल-ती' को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया(आईएफएफआई, गोवा) में प्रतिष्ठित पैनोरमा पुरस्कार मिले हैं। उल्लेखनीय है कि 'सुनपट' शब्द का अर्थ सुनसान या बियाबान स्थान। वहीं 'पाताल-ती' के अर्थ पर गौर करें तो चीन सीमा से लगे जनजातीय क्षेत्र में ती शब्द का अर्थ पानी से होता है। यानी दुर्लभ हो गया मीठा जल। इन फिल्मों का प्रदर्शन फ्रांस व रूस आदि में कई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में भी किया गया है। निस्संदेह, इस उपलब्धि ने विश्व परिदृश्य में उत्तराखंड की फिल्मों की संभावनाओं को भी उद्दीप्त किया है। साथ ही नये फिल्म निर्माताओं भी कुछ कर गुजरने का हौसला भी मिला है। महत्वपूर्ण बात यह है कि ये फिल्में उत्तराखंडी समाज के समकालीन सवालों पर मंथन को बाध्य करती हैं। 'सुनपट' फिल्म का निर्माण व निर्देशन करने वाले राहुल रावत कहते हैं कि निस्संदेह फिल्म की कथा वस्तु भयावह पलायन के दंश के आसपास घूमती है। लेकिन हमने इसमें समस्या का आंकड़ों से इतर एक भावनात्मक पक्ष उजागर किया है कि बाहर से आने वाला उत्तराखंडी उत्तराखंड के गांव पहुंचने के बाद कैसा महसूस करता है।

फिर याद आई मधुबाला की

आज भी सुंदरता की किसी भी चर्चा में बीते दौर की अभिनेत्री मधुबाला का नाम स्वाभाविक तौर पर लिया जाता है। वैसे आज यह चर्चा काफी बेमानी हो चुकी है जबकि पुराने दौर में कई फिल्म पत्रिकाएं बहुत जोर-शोर से ऐसी चर्चा आयोजित करती थीं। तब मधुबाला को ही सर्वसम्मति से सबसे ज्यादा सुंदर कहा जाता था। तब से अब तक मीना कुमारी,वहीदा रहमान, वैजयंती माला,नर्गिस,पद्मिनी,गीता बाली आदि तारिकाओं का नाम भी सम्मानजनक ढंग से लिया जाता रहा है। क्योंकि मधुबाला के सौंदर्य के सामने भी इन तारिकाओं का एक अलग वजूद था। बावजूद इसके मधुबाला हमेशा अद्वितीय रही।

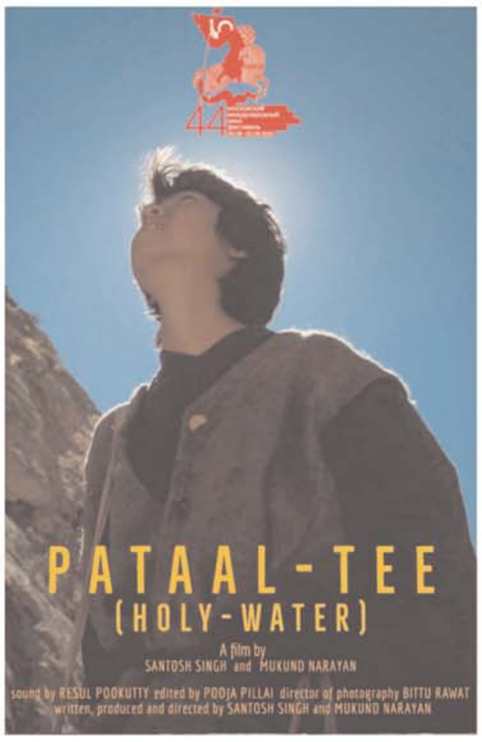

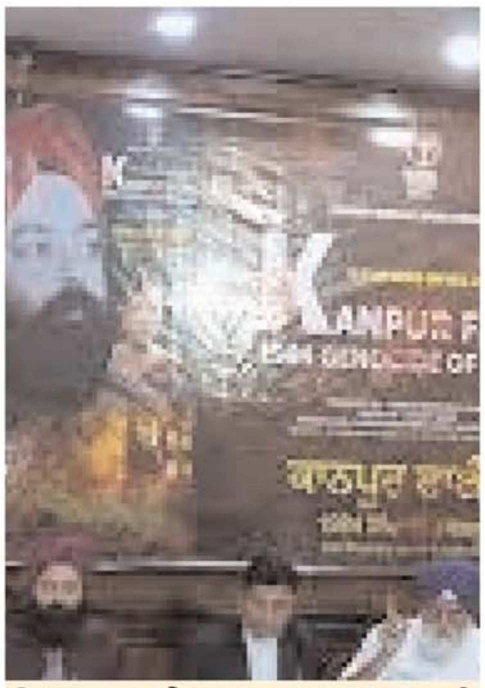

सिख दंगों पर अब आ रही है कानपुर फाइल्स...

नयी दिल्ली। वर्ष 1984 हुए सिखों के नरसंहार की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक फिल्म %कानपुर फाइल्स% आने वाली है। बताया गया कि फिल्म का पूरा नाम है %कानपुर फाइल्स- 1984 सिखों का नरसंहार%। इस डॉक्यू-ड्रामा फिल्म में 1984 के दौरान उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में सिखों के खिलाफ हुई पूर्व नियोजित सामूहिक हत्याएं, लूटपाट और हिंसक घटनाओं को तथ्यों, सबूतों, गवाहों और पीड़ितों के साथ पर्दे पर उतारा जाएगा। जीएम फाउंडेशन के प्रोडक्शन हाउस ग्लोबल मिडास कैपिटल ने यह फिल्म बनाने की घोषणा की है। शुक्रवार को दिल्ली प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में फिल्म के निर्माता इंदर प्रीत सिंह ने बताया कि उस समय की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी। लेकिन अफसोस इस बात का है कि घटना के इतने बरस बाद भी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई और ना ही पीड़ितों को इंसाफ मिला। फिलहाल फिल्म %कानपुर फाइल्स- 1984 सिखों का नरसंहार% की रिलीज डेट 31 अक्टूबर 2023 तय की गई है। इंदर प्रीत सिंह का कहना है कि उनकी यह फिल्म नरसंहार पीड़ितों को इंसाफ दिलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में मामले को उठाने, लोकतांत्रिक अधिकारों, नागरिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के लिए लड़ने वालों को एक मजबूत आधार प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि कानपुर में सिखों की हत्या में शामिल 127 लोगों को सजा दिलाने और पीड़ितों को इंसाफ दिलाने के लिए घटना के 35 वर्ष बाद 5 फरवरी 2019 को पहली बार अखिल भारतीय दंगा पीड़ित राहत समिति, 1984 के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह भोगल और सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रसून कुमार के प्रयासों से एसआईटी का गठन किया था, जिसने हत्याओं में शामिल लोगों की पहचान की और उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया। लेकिन नरसंहार में अपना सब कुछ खोने वाले अभी तक न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

सतीश दत्त फिर अभिनय की ओर

हाल ही में शेमारू उमंग ने एक नया सीरियल 'कुंडली मिलन' शुरू किया है जिसका प्रसारण सोमवार से शनिवार शाम 7.30 बजे के समय में हो रहा है। मथुरा की पृष्ठभूमि पर बने इस सीरियल की कहानी दो बहनों के प्रेम,त्याग और समर्पण की है। जिनकी ज़िंदगी एक दूसरे के भाग्य से बंधी है। सीरियल का निर्माण अरविंद बब्बल ने किया है। 'कुंडली मिलन' में प्राची बोहरा,सुभांशी रघुवंशी,अंकित बाठला,सौरभ अग्रवाल,अंबर जैदी,संजय तिवारी और अनिल खरबंदा मुख्य भूमिकाओं में हैं। साथ ही करीब 25 बरस बाद सतीश दत्त भी सीरियल में हिमांशु की एक अहम भूमिका से, अभिनय की दुनिया में लौट रहे हैं। सतीश ने 1988 में दिल्ली में रहकर अरविंद स्वामी के निर्देशन में,टेली फिल्म 'अधूरी जिंदगी' और 'दस्तक' से अभिनय का रुख किया था। दिलचस्प यह है कि शाहरुख खान की भी ये शुरुआती फिल्में थीं। बाद में सतीश ने जहां 'ज़र जोरू और ज़मीन' जैसी हरियाणवी फिल्म के साथ कुछ सीरियल भी किए। लेकिन 1997 में मुंबई का रुख करने पर सतीश को लेखन-निर्देशन का शौक जाग गया। देखते-देखते वह ज़ी टीवी के 'सारेगामापा' जैसे शो के क्रिएटिव डायरेक्टर बन गए और फिर सोनी के 'इंडियन आइडल' को कई सीजन तक संभाला।

गुफ़ी पेंटल का जाना : हाल ही में जब सुप्रसिद्ध अभिनेता गुफ़ी पेंटल के निधन का समाचार मिला तो मन विचलित हो गया। गुफ़ी को मैं बीआर चोपड़ा के लोकप्रिय सीरियल 'महाभारत' के आरंभिक दौर से करीब से देख रहा हूं। 'महाभारत' में गुफ़ी ने शकुनी मामा के किरदार को जिस तरह जीवंत किया था वह किसी से छिपा नहीं है। गुफ़ी से पहले और बाद में और कई अभिनेताओं ने शकुनी का किरदार निभाया, लेकिन जो सशक्त अंदाज़ गुफ़ी का था, वैसा कोई और न कर सका। यूं गुफ़ी इंजिनियर थे,सेना में भी वह कुछ दिन रहे। लेकिन अपने भाई पेंटल की एक हास्य कलाकार के रूप में सफलता देख वह भी मुंबई आ गए। दिग्गज फ़िल्मकार चोपड़ा के तो ये नव रत्न में थे।

लेखन, निर्देशन और कास्टिंग डायरेक्टर तक यह वहां कई किरदार

ठहरी सी जिंदगी में संघर्ष की तपिश

वैधव्य औरत के जीवन का ऐसा पड़ाव है, जहां आकर उनकी जिंदगी ठहर सी जाती है। ये वो मुकाम है, जहां स्त्री को भेदभाव, अवमानना और अन्याय सहते हुए जीवन जीने को बाध्य होना पड़ता है। लेकिन, समय के साथ समाज का नजरिया बदला है। सिनेमा ने भी विधवा नारी के जीवन पर केंद्रित फ़िल्में बनाकर इस बदलाव का संकेत दिया। लेकिन, यह सब एक दायरे तक ही सीमित रहा! विधवा उद्धार पर फ़िल्में बनाने में फिल्मकार आज भी हिचकिचाते हैं। इसलिए कि सिनेमा की रंगीनियत में वैधव्य का सफेद रंग कहीं कमाई में बाधक न बन जाए! इस दमदार विषय को उठाने वाली फिल्मों का अभाव तो लगता है। लेकिन, ऐसे निर्माता-निर्देशक भी हैं, जिन्होंने विधवाओं की ज़िंदगी पर फ़िल्म बनाने का साहसिक फैसला किया। इनमें महबूब खान, राजकपूर, वी शांताराम, यश चोपड़ा से लेकर शक्ति सामंत और राकेश रोशन जैसे बड़े फिल्मकार हैं। फिल्मों में विधवाओं को महज फिलर की तरह उपयोग में लाया जाता रहा। दिखाया जाता कि हीरो की मां विधवा है, जो सिलाई-कढ़ाई करके अपने बेटे का लालन-पालन करती थी। बाद में ये बच्चा या तो %त्रिशूल% के अमिताभ की तरह अच्छा निकलता है या %दीवार% के अमिताभ की तरह बिगड़ जाता है। सबसे पहले महबूब खान ने विधवा महिला के संघर्ष को लेकर 1940 में फिल्म %औरत% बनाई! बाद में 1957 में उसका रंगीन संस्करण %मदर इंडिया% बनाकर एक विधवा की व्यथा-कथा पेश की। नरगिस ने इसमें विधवा का सशक्त रोल निभाया था। दिखाया गया था कि पति की मौत के बाद अकेली औरत कैसे बच्चों को पालती और खुद को ज़माने की गंदी नजरों से भी बचाती है। शक्ति सामंत ने भी विधवा प्रेम और विवाह को लेकर कई सफल फिल्में बनाई। इसकी शुरुआत गुलशन नंदा के उपन्यास पर बनी फिल्म %कटी पतंग% से की, जिसमें आशा पारेख ने विधवा की भूमिका निभाई थी। 'कटी पतंग' की कहानी विधवा विवाह पर केंद्रित थी। इससे पहले उन्होंने शर्मिला टैगोर को %आराधना% में विधवा के रूप में दिखाया था। ऐसे ही शक्ति सामंत की दो फिल्मों %खून भरी मांग% और %करण अर्जुन% में विधवाओं के संघर्ष को मनोरंजक अंदाज में पेश किया गया। ऐसी फिल्मों में एक 1975 में आई %शोले% भी थी। इसमें जया बच्चन ने विधवा बहू राधा के किरदार को बेहद संजीदगी से निभाया। अमिताभ ने फिल्म में जय का किरदार निभाया था। राज कपूर बैनर की %प्रेम रोग% इस विषय पर केंद्रित बेहतरीन फिल्म थी। इसमें ऋषि कपूर (देवधर) ने गरीब अनाथ का किरदार निभाया, जिसकी बचपन से पद्मिनी कोल्हापुरी (मनोरमा) से दोस्ती थी। लेकिन, मनोरमा की शादी अमीर लड़के से करवा दी जाती है लेकिन उसके पति का निधन हो जाता है। जेठ ही उसकी इज्जत लूट लेता है। वो पिता के घर लौट आती है। यहां फिर उसकी मुलाकात देवधर से होती है, वो उसे नई जिंदगी देने की कोशिश करता है। निरूपा रॉय को की %दीवार% (1975) और वहीदा रहमान की %त्रिशूल% (1978) को भुलाया नहीं जा सकता! कल्पना लाजमी ने अपनी %रुदाली% में राजस्थान की उन विधवाओं की व्यथा कही, जो दुख के अवसरों पर जाकर रोने का काम करती हैं। 1997 में आई फिल्म %मृत्युदंड% में माधुरी दीक्षित ने दृढ़ विश्वासी महिला की भूमिका निभाई थी। वो ऐसी महिला की भूमिका में थी, जो अपने साथ दूसरी औरतों के अधिकारों के लिए लड़ती है। बाद में पति की मौत का बदला भी लेती है। रानी मुखर्जी की फिल्म %बाबुल% में भी पति की मौत के बाद के हालात थे। साल 2005 में आई %वाटर% का कथानक विधवा आश्रम के आसपास घूमता है। ओटीटी पर आई फिल्म %पगलैट% में सान्या मल्होत्रा ने भी विधवा की भूमिका निभाई थी। इसी विषय पर हेमा मालिनी और ऋषि कपूर की फिल्म %एक चादर मैली सी% भी आई। कुछ फिल्मों में विधवाओं को अलग अंदाज में भी दिखाया गया। इसका मकसद भले हास्य रचना रहा हो, पर पहले शशिकला और बाद में बिन्दु ने कई फिल्मों में जवान विधवा का यह चरित्र निभाया। जबकि, कुछ अभिनेत्रियों को इस विधवा चरित्र निभाने में सिद्धहस्त माना गया। मीना कुमारी ने विधवा की भूमिका में परदे पर कई बार आंसू बहाए। दुश्मन, मेरे अपने, फूल और पत्थर इसके उदाहरण हैं। राखी को भी अपनी पहली फिल्म %जीवन मृत्यु% में विधवा विलाप करना पड़ा था। इसके बाद रेशमा और शेरा, करण-अर्जुन, दूसरा आदमी, राम लखन सहित आधा दर्जन फिल्मों में वे कभी सफेद तो कभी काली साड़ी पहने दिखाई दी। जबकि, रेखा ने %खून भरी मांग% और %फूल बने अंगारे% में विधवा बनकर बदला लिया। पुरानी अभिनेत्रियों में लीला चिटनिस, सुलोचना, ललिता पवार, लीला मिश्रा, दुर्गा खोटे और अचला सचदेव को भी दर्शकों ने ज्यादातर विधवा रूप में ही देखा है।

कंज्यूमर फोरम ग्वालियर द्वारा 91,093 रुपए का बिल निरस्त कर, विद्युत कंपनी पर 8,000 रुपए का ठोका जुर्माना

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर-उपभोक्ता को आंकलित खपत के तौर पर भारी-भरकम बिल थमाने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ग्वालियर में विद्युत वितरण कंपनी के खिलाफ फैसला सुनाया आया है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ग्वालियर के माननीय अध्यक्ष श्री विकास राय, सदस्य श्रीमती सुमन गौड पाण्डे एवं सदस्य श्री रेवती रमण मिश्रा द्वारा आंकलित खपत के नाम पर थमाया बिल निरस्त कर दिया गया है तथा पश्चातवर्ती क्रम में खपत के आधार पर जो बढे हुए विद्युत देयक राशि है उसे भी निरस्त माना साथ ही उपभोक्ता को हुई असुविधा मानसिक क्षति एवं वाद व्यय के तौर पर 8,000/- रुपए का जुर्माना विद्युत कंपनी पर लगाया है।जानकारी के मुताबिक स्वर्गीय श्री सी. एस. राणा निवासी दर्पण कॉलोनी ग्वालियर के नाम से बिजली कनेक्शन है। स्व. श्री सी. एस. राणा के बेटे श्री राकेश सिंह राणा ने एडवोकेट पंकज आहूजा, एडवोकेट आयुषी सिंह राणा, एडवोकेट चंद्रशेखर भार्गव, एवं एडवोकेट आकाश जैन के माध्यम से जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ग्वालियर में बिजली कंपनी के खिलाफ परिवाद दायर किया।दरअसल विद्युत कंपनी ने माह जून 2021 में 3620 यूनिट एवं माह जुलाई 2021 में 1147 यूनिट का उपभोक्ता के नाम से कुल 43,187/- रुपए का बिल थमा दिया था। उपभोक्ता द्वारा विद्युत कंपनी के दफ्तर आकर बिल संशोधित कराने का आग्रह किया, किंतु अधिकारियों द्वारा गौर नहीं किया गया। कई बार शिकायत करने पर माह नवंबर 2021 में नया मीटर लगाया गया तब 2021 में मात्र 24 मिनट विद्युत खपत दर्ज हुई तदउपरांत पूर्व विवादित बिल का भुगतान ना करने का अनुचित दबाव बनाकर माह जनवरी 2022 में विद्युत कंपनी द्वारा मीटर निकाल लिया गया। उपभोक्ता ने सद्भावनापूर्वक अक्टूबर 2022 में बिल राशि जो बढ़ के राशि रूपये 91,093/- रुपए हो गई, में से राशि रूपये 50,000/- रुपए का सविरोध भुगतान अदा कर उपभोक्ता के परिसर में नया विद्युत मीटर स्थापित करने तथा उक्त विद्युत मीटर के आधार पर प्रति माह की वास्तविक खपत का भुगतान अदा करने का आश्वासन विद्युत वितरण कंपनी को दिया किन्तु विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उक्त राशि 50,000/- रुपए की प्राप्ति के उपरांत भी आदेश दिनांक तक न तो उपभोक्ता के निवास पर नया विद्युत मीटर स्थापित किया और न ही उनका घरेलू विद्युत कनेक्शन संयोजित किया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ग्वालियर द्वारा विद्युत वितरण कंपनी के खिलाफ उक्त आदेश 23/06/2023 को पारित किया गया है।

शहर तभी स्मार्ट बनेगा जब शहरवासियों की सोच स्मार्ट होगी : कलेक्टर

ग्वालियर । कोई भी शहर तभी पूर्ण रुप से स्मार्ट हो सकता है, जब उस शहर के लोग स्मार्ट सोच और सकारात्मक रवैये के साथ अपने शहर को स्मार्ट बनाने मे सहयोग करेंगे। यह बात कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने स्मार्ट सिटी मिशन की 8वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य मे ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा मंगलवार को आयोजित हुई पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार वितरण करते हुये कही। स्मार्ट सिटी कार्यालय परिसर में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता मे फाइन आर्ट कॉलेज के 50 से अधिक विधार्थियो सहीत छोटे बच्चो ने हेरिटेज थीम पर मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक

स्थलो के सौन्दर्य को अपने कैनवास पर उतारा। पेंटिंग प्रतियोगिता में विधार्थियों ने ग्वालियर के बैजाताल, किला, महाराज बाडा सहित शहर के अन्य हेरिटेज व मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलो को रंगो से अपने कैनवास पर सजीव कर दिया। कार्यक्रम में कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नीतू माथुर सहित उपस्थित अन्य अतिथियो द्वारा सीनियर और जूनियर श्रेणियों में विजयी प्रतियोगियों को प्रमाण पत्र एवं पुरूस्कार तथा अन्य सभी प्रतियोगियों को प्रशति पत्र प्रदान किये गए। प्रतियोगिता मे निर्णायक के रुप मे फाइन आर्ट कॉलेज के प्रिंसिपल मधुसुधन सहित श्रीमती शोभा सक्सेना नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित उपस्थित रही।

राजस्व वसूली कम होने पर निगमायुक्त ने जताई नाराजगी

ग्वालियर । लक्ष्य से कम राजस्व वसूली होने पर निगमायुक्त हर्ष कुमार सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुये साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित वसूली करने के निर्देश निगम अधिकारियों को दिये है। मंगलवार को निगमायुक्त हर्ष कुमार सिंह ने अपने अधीनस्थों के साथ बैठक कर राजस्व वसूली कम होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित कर वसूली करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही 240 करोड के लक्ष्य को लेकर वसूली करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही वसूली में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों

के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही शहर की सडकों पर सुगम यातायात हेतु पेच रिपेयरिंग की समीक्षा करते हुए सडकों पर तेजी से पेच रिपेयरिंग करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।वहीं बारिश के सीजन को देखते हुए भयप्रद भवनों को खाली कराने एवं तोडने की कार्यवाही तेजी से करने के निर्देश संबंधितों को दिए। निगमायुक्त ने खतरनाक स्थिति में स्थित पेड, होर्डिंग एवं अन्य स्ट्रक्चर का निरीक्षण कर उन्हें हटाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। वहीं कार्यशाला के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए कि समय समय पर कार्यशाला में कार्यरत वाहन चालकों का प्रशिक्षण एवं उनके लायसेंस का परीक्षण कराने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त आरके श्रीवास्तव, विजय राज, अपर आयुक्त वित्त रजनी शुक्ला, उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता एवं अधीक्षण यंत्री जेपी पारा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन का हुआ आयोजन

ग्वालियर । नगर निगम ग्वालियर द्वारा मंगलवार को भडैया नवमी के अवसर पर मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 23 जोडों के विवाह सम्पन्न कराये गए। इस अवसर पर सभी नव विवाहित जोडों ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए पर्यावरण सरंक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार, नेता प्रतिपक्ष हरिपाल, विधायक प्रतिनिधिकृष्णराव दीक्षित ने वर-वधु को सुखमय जीवन का आर्शीवाद प्रदान किया।फूलबाग स्थित बारादरी मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत उपायुक्त डॉ. अतिबल सिंह व नोडल अधिकारी विजय बरूआ एवं सहायक नोडल अधिकारी नीरज श्रीवास्तव ने किया। सामूहिक विवाह एवं निकाह सम्मेलन के अंतर्गत 22 विवाह पूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोचार के साथ सम्पन्न कराये गए। इसके साथ ही एक निकाह सम्पन्न कराया गया। जिसमें एक दिव्यांग युवक का विवाह भी सम्पन्न कराया गया। विवाह उपरांत प्रत्येक वर वधु को 49 हजार रूपये का चैक एवं विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान पर्यावरण सरंक्षण का संदेश देते हुए कार्यक्रम में अथितियों हेतु पानी के लिए कांच की बोतल तथा नागरिकों के लिए कागज के गिलास में पेयजल की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही पर्यावरण सरंक्षण का संदेश देते हुए सभी नव विवाहित जोडों को एक-एक पौधा प्रदान कर अपने घर के आंगन में पौधा लगाने का संकल्प दिलाया गया।

ओटीए ग्वालियर में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

ग्वालियर 7 एनसीसी अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी ग्वालियर के ऐतिहासिक और सुंदर परिवेश के बीच 116 सीनियर विंग लेडी एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों और गर्ल कैडेट प्रशिक्षकों ने दो दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण लिया। आपदा प्रबंधन संस्थान (डीएमआई) भोपाल के संयुक्त निदेशक डॉ. जॉर्ज वी जोसेफ और एनसीसी ओटीए ग्वालियर की प्रशिक्षण टीम द्वारा आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं को आपदा राहत और प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में एनसीसी की भूमिका, आपदा प्रबंधन ढांचा, डीएम अधिनियम 2005 और इसके प्रावधान, समुदाय आधारित आपदा, आपदा तैयारियों के लिए एनसीसी की भागीदारी, फायर ब्रिगेड, ग्वालियर नगर निगम द्वारा अग्नि आपदा प्रबंधन औद्योगिक आपदा प्रबंधन आदि के बारे में बताया गया। साथ ही एसडीईआरएफ टीम द्वारा खोज एवं बचाव उपकरणों का प्रदर्शन भी

किया। उल्लेखनीय है एनसीसी का महत्व बढ़ने और सरकारी दिशा निर्देशों के अनुसार तटीय और सीमावर्ती क्षेत्रों में कैडेटों की संख्या में वृद्धि की जा रही है। देशभर में होने वाली विभिन्न आपदाओं के दौरान सहायता प्रदान करने के साथ, उन प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करना महत्वपूर्ण है, जो ओटीए में प्रशिक्षण ले रहे हैं। देशभर में एनसीसी कैडेटों को जिम्मेदार युवा बनाने और नागरिक प्रशासन की सहायता करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए वे जम्मू-कश्मीर से केरल और गुजरात से उत्तरपूर्वी राज्यों में स्थित अपने-अपने संस्थानों में जाएंगे। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी एनसीसी इकाइयों और स्कूलों और कॉलेजों के एनसीसी कैडेटों के लिए सबसे महत्वपूर्ण इंटरफ़ेस हैं। ओटीए, ग्वालियर देश में अपनी तरह का एक मात्र संस्थान है जो पूर्ण कालिक महिला अधिकारियों, एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों और एनसीसी गर्ल कैडेट प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करता है। अकादमी में दिए जाने वाले प्रशिक्षण का उद्देश्य एनसीसी कैडेटों को जिम्मेदार नागरिक और %कल के नेता% के रूप में तैयार करने के लिए आवश्यक कौशल के साथ एनसीसी अधिकारियों को सशक्त बनाना है।

कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में 145 से अधिक आवेदकों की हुई सुनवाई

ग्वालियर । कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में इस बार 145 से अधिक आवेदक अपनी समस्यायें लेकर पहुँचे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार व अपर कलेक्टर एचबी शर्मा सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। जनसुनवाई में बहुत से जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम कराया गया। साथ ही जमीन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में लगभग 110 आवेदन दर्ज किए गए। साथ ही लगभग तीन दर्जन आवेदन निराकरण के लिये विभागीय अधिकारियों को सीधे सौंपे गए।

उपलब्ध हैं।
फाइनेंस / लोन / होम लोन
ग्वालियर मुरैना बामोर गोहद मालनपुर डबरा इत्यादि जगह में आप मकान खरीदने और प्लॉट खरीद कर मकान बनाने के लिए लोन के हैं जरुरत तो करें हमसे संपर्क।
संपर्क करें
07974596469

प्रो. अमित मो. 7772843302, 9617243208
श्री हनुमते नमः
प्रो. दीपक मो. 9639422665, 7024015532
जय दंदरौआ सरकार इन्टरप्राइजेज
डिस्पोजल
दोना पत्तल, डिस्पोजल प्लेट, ग्लास, पत्ते वाली पत्तल, दोने निर्माता एवं थोक विक्रेता
शादी, पार्टी एवं अन्य शुभ कार्यों आदि में सभी सामान फैक्ट्री रेट पर उपलब्ध है

पुष्पांजली टुडे
आम सूचना / कोर्ट नोटिस
साइज फिक्स रूपये
8×4 cm 1120
10×4 cm 1400
12×4 cm 1680
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

पुष्पांजली टुडे
गुमशुदा / खोया -पाया
नाम परिवर्तन
साइज फिक्स रूपये
8×4 cm 1050
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478